RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः331, शुक्रवार, 16 जनवरी 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

पूर्वी चम्पारणः एसपी के अभियान से मुकदमों में तेजी, पुलिस के प्रयास क़ी सराहना 03

बिहार फिल्म प्रोत्साहन नीति से बदलती पहचान, फिल्मों की नई राह पर बिहार 04

सैयामी खेर नई फिल्म से तहलका मचाने के लिए तैयार, इस निर्देशक... 07

यूपी के कानपुर में धर्मांतरण का बड़ा खेल

- करिश्माई शक्तियों का हवाला देकर गुमराह करने वाला आलविन अरेस्ट

कानपुर (एजेंसी)। यूपी के कानपुर में धर्मांतरण का बड़ा खेल चल रहा था। घाटमपुर कस्बे में धर्मांतरण का जाल फैलाने वाले आरोपी आलविन को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा है। वहीं, स्थानीय लोगों ने अब उसकी करतूतों की पोल खोलनी शुरू कर दी है। आलविन लोगों को आर्थिक प्रलोभन तो कभी करिश्माई शक्तियों का हवाला देकर गुमराह करता था। वह लोगों से दावा था कि उसके ईश्वर में इतनी शक्ति है कि कैंसर जैसी घातक बीमारी को ठीक कर सकते हैं। पुलिस ने उसके पास से फाइल, अहम दस्तावेज और बड़ी मात्रा में प्रचार सामग्री बरामद की

है। घाटमपुर पुलिस आलविन के नेटवर्क और फंडिंग की जांच कर रही है। बजरंगदल के कार्यकर्ता शिकायतों के बाद मंगलवार को नौरंगा स्थित एक घर पहुंचे तो वहां पर चंगाई सभा चल रही थी। उन्होंने मौके से वीडियो बनाया था और हंगामा किया था। इसके बाद पुलिस वहां पहुंची थी। दुआओं से वृद्धा का उपचार करने का दावा कर रहे आलविन नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। पुलिस की पूछताछ में पता चला कि आलविन मूलरूप से केरल के तिरुन्तपुरम का रहने वाला है।

दक्षिण में विस्तार 2029 लोकसभा चुनाव की तैयारी

- भाजपा 'अध्यक्ष' नितिन नबीन के सामने होगी कठिन चुनौतियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी को जल्द ही अपना नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिलने जा रहा है। कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन को अगले हफ्ते तक यह जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। नितिन नवीन का बीजेपी अध्यक्ष बनना सिर्फ एक बड़ा संगठनात्मक फैसला नहीं है, बल्कि यह कई अहम राजनीतिक और रणनीतिक चुनौतियां भी अपने साथ लेकर आएगा। इन चुनौतियों में लोकसभा और विधानसभा में महिला आरक्षण, 2027 में प्रस्तावित जातिगत जनगणना

और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का महत्वाकांक्षी फैसला 'वन नेशन, वन इलेक्शन' शामिल है। कई भाजपा नेताओं ने माना है कि नितिन नवीन को न केवल मजबूत नेतृत्व क्षमता दिखानी होगी, बल्कि पार्टी के भीतर सहमति बनाना भी उनकी बड़ी जिम्मेदारी होगी। साथ ही उन्हें यह भी तय करना होगा कि बीजेपी की अगली पीढ़ी के कौन से नेता आगे लाए जाएं। बताया जा रहा है कि बीजेपी नए पार्टी अध्यक्ष के लिए 18 जनवरी को नोटिफिकेशन जारी कर सकती है। इसके अगले दिन नितिन नवीन अपना नामांकन दाखिल करेंगे।

भारतीय पासपोर्ट मजबूत 85 से 80वें नंबर पर आया

55 देशों में वीजा फ्री एंट्री, पाकिस्तानी पासपोर्ट 5वां सबसे कमजोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पासपोर्ट की ताकत पिछले एक साल में बढ़ी है। पासपोर्ट रैंकिंग जारी करने वाले ऑर्गेनाइजेशन हेनली एंड पार्टनर्स की 2026 की रैंकिंग में भारत 5 स्थान की छलांग लगाकर 80वें नंबर पर पहुंच गया है। पिछले साल 2025 में भारत की रैंक 85 थी। नई रैंकिंग के मुताबिक, भारतीय नागरिक अब 55 देशों में वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-अराइवल यात्रा कर सकते हैं। यह रैंकिंग पासपोर्ट धारकों को बिना पूर्व वीजा कितने देशों में प्रवेश की अनुमति है, इसी आधार पर तय की जाती है। इधर पाकिस्तानी पासपोर्ट दुनिया का 5वां सबसे कमजोर पासपोर्ट है। पाकिस्तान की नई रैंकिंग 98वीं है। पिछले साल 2025 में पाक की रैंकिंग 103 थी। वहीं, बांग्लादेशी पासपोर्ट 95 वें नंबर पर है और दुनिया का 8वां सबसे कमजोर पासपोर्ट है। सिंगापुर लगातार दूसरे साल दुनिया का सबसे ताकतवर पासपोर्ट बना हुआ है, जिसे 227 में से 192 देशों में वीजा-फ्री एंट्री है। जापान और दक्षिण कोरिया संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं, इन देशों के नागरिक 188 देशों में बिना वीजा के यात्रा कर सकते हैं। 2025 की रैंकिंग में भारतीय पासपोर्ट 85वें स्थान पर था और 57 देशों तक वीजा-फ्री पहुंच थी। 2024 में भी भारत की रैंक 80 थी। यानी 2025 में गिरावट के बाद 2026 में फिर से सुधार देखने को मिला है। हालांकि, वीजा-फ्री यात्रा में 2 देशों कम हो गए है। 186 देशों में फ्री वीजा एंट्री के साथ डेनमार्क, लक्समबर्ग, स्पेन, स्वीडन और स्विटजरलैंड तीसरे स्थान पर रहे।

आग की चेतावनी ! सिंगापुर जा रही फ्लाइट वापस लौटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिंगापुर जा रहे एयर इंडिया के एक विमान तकनीकी खराबी आ गई, जिसके बाद इस फ्लाइट को दिल्ली वापस लौटना पड़ा। दिल्ली एयरपोर्ट पर ये विमान वापस लौट आया। सूत्रों ने बताया कि विमान में करीब 190 लोग सवार थे। सूत्रों के अनुसार, ड्रीमलाइनर विमान में एपीयू (ऑक्सिलियरी पावर यूनिट) में आग की चेतावनी मिली, जिसके बाद विमान करीब एक घंटे तक हवा में रहने के बाद दिल्ली लौट आया। पूरा मामला बुधवार देर शाम का है, जब एयर इंडिया के विमान की दिल्ली एयरपोर्ट लैंडिंग हुई। इसके बाद यात्रियों को वैकल्पिक विमान से सिंगापुर भेजा गया। इस संबंध में संपर्क करने पर एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने बताया कि सिंगापुर जा रही उड़ान में हादसा हुआ।

- एयर इंडिया की फ्लाइट में कुल 190 लोग थे सवार

भारत की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था

- पीएम बोले-कुछ सालों में 25 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर निकले

28वें सीएसपीओसी का उद्घाटन, 42 देशों के 61 स्पीकर्स रहे शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को संसद परिसर में 28वें कॉमनवेल्थ स्पीकर्स और प्रेसाइडिंग ऑफीसर्स कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। पिछले कुछ सालों में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकले हैं। पीएम मोदी ने कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत में एआई दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल पेमेंट सिस्टम है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीन प्रोड्यूसर है। दुनिया का नंबर-2 स्टील प्रोड्यूसर है। दुनिया का तीसरा बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा एविएशन मार्केट है। दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। दुनिया का तीसरा बड़ा मेट्रो रेल नेटवर्क है। सम्मेलन की अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला संभाल रहे हैं। इसमें कॉमनवेल्थ के 42 देशों से 61 स्पीकर्स और प्रेसाइडिंग ऑफीसर्स शामिल हो रहे हैं। सम्मेलन 14 से 16 जनवरी यानी तीन दिनों तक चलेगा।

हर व्यक्ति के लिए बिना किसी भेदभाव से काम

भारत में लोकतंत्र की पहचान है कि वह आखिरी व्यक्ति तक फायदे पहुंचे। हम लोक कल्याण की भावना से हर व्यक्ति के लिए बिना किसी भेदभाव से काम कर रहे हैं। इसी लोक कल्याण की भावना के कारण बीते कुछ सालों में भारत में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। जब भारत आजाद हुआ तब उस दौर में आशंका व्यक्त की गई थी कि इतनी विविधता में भारत में लोकतंत्र टिक नहीं पाएगा लेकिन भारत ने विविधता को अपने लोकतंत्र की ताकत में बदल दिया है। कोविड-19 महामारी के दौरान जब पूरी दुनिया संकट का सामना कर रही थी, भारत भी कई चुनौतियों का सामना कर रहा था।

- **भारतीय लोकतंत्र का मजबूत स्तंभ महिलाओं का प्रतिनिधित्व** - भारतीय लोकतंत्र का एक और मजबूत स्तंभ महिलाओं का प्रतिनिधित्व है। हमारे देश की प्रथम नागरिक राष्ट्रपति महिला हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री भी महिला हैं। ग्रामीण और स्थानीय निकायों में भारत में लगभग 15 लाख महिला निर्वाचित प्रतिनिधि हैं। ये लगभग 50 प्रतिशत नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो वैश्विक स्तर पर अभूतपूर्व है।
- **लोकसभा अध्यक्ष बोले-आज हम दुनिया की सबसे बड़े लोकतंत्र में जुटे हैं**-लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि हम आज दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में लोकतांत्रिक संवाद, सहयोग और साझा मूल्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जुटे हैं। यहां अनुभवों को साझा किया जाएगा।

'आई पैक' रेड में में फंस गई बंगाल की सीएम

- सीएम को लेकर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी
- कहा-जांच एजेंसी के काम में दखल गंभीर है मामला

नईदिल्ली/कोलकाता (एजेंसी)। आई-पैक रेड में छापेमारी के दौरान हुए विवाद मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई पूरी कर ली। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के बाद आदेश देते हुए कहा कि जांच एजेंसी की काम में पुलिस की दखल का मामला गंभीर है। कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार और बंगाल पुलिस को जवाब देने के लिए नोटिस जारी किया। कोर्ट ने दो हफ्ते के अंदर जवाब मांगा है। साथ ही, ईडी के छापे से जुड़ी सभी सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने का आदेश दिया। अब इस मामले की सुनवाई 3 फरवरी को होगी। ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर पश्चिम बंगाल पुलिस की ओर से एफआईआर दर्ज करने पर रोक लगाने की मांग की थी। याचिका में छापे के फुटेज भी सुरक्षित

रखने की मांग की गई है। ईडी ने सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट को बताया कि छापे के दौरान ईडी ने एक भी वस्तु या दस्तावेज को कब्जे में नहीं लिया। कोर्ट को बताया गया कि छापे के दौरान पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, पश्चिम बंगाल के डीजीपी और कोलकाता के पुलिस कमिश्नर ने व्यवधान किया था। प्रवर्तन निदेशालय ने इस प्रकरण की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग की थी। कोर्ट ने ईडी अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज करने पर भी रोक लगा दी है।

ममता बनर्जी पर दस्तावेजों को चोरी करने का आरोप- इससे पहले ईडी ने आरोप लगाए थे कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दस्तावेजों की चोरी की है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान ईडी की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि इस मामले में मुख्यमंत्री स्वयं आरोपी हैं, जबकि पश्चिम बंगाल के डीजीपी ने सहयोगी की भूमिका निभाई। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ईडी के अधिकारियों को छापे वाली जगह पर कुछ दस्तावेजों के बारे में सूचना मिली थी, जो जांच के दायरे में हैं। स्थानीय पुलिस को छापेमारी की जानकारी दी गई थी, लेकिन मुख्यमंत्री ने दस्तावेजों की चोरी की।

अमेरिका की धमकी के बाद ईरान का सरेंडर

- ईरानी विदेश मंत्री का बयान, कोई फांसी नहीं
- ट्रम्प का दावा-प्रदर्शनकारियों की हत्याएं रुकीं

तेहरान (एजेंसी)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की धमकियों के बाद ईरान प्रदर्शनकारियों को फांसी देने के फैसले से पीछे हट गया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराकची ने बुधवार को कहा कि ईरान की ओर से लोगों को फांसी देने की कोई योजना नहीं है। विदेश मंत्री ने फॉक्स न्यूज के स्पेशल रिपोर्ट विद ब्रेट बेयर कार्यक्रम में दिए एक इंटरव्यू में कहा, फांसी देने की कोई योजना नहीं है। फांसी का तो सवाल ही नहीं उठता। वहीं, बुधवार को ट्रम्प ने भी बताया कि ईरान में प्रदर्शनकारियों की हत्याएं रुक गई हैं। इससे पहले ईरान सरकार ने प्रदर्शनकारियों पर तेज ट्रायल और जल्दी से फांसी देने का ऐलान किया था। ईरान सुल्तानी को फांसी देने वाला था।

ट्रम्प बोले-

प्रिंस रजा पहलवी अच्छे लगते हैं- ट्रम्प ने बुधवार को कहा कि ईरानी विपक्षी नेता रजा पहलवी उन्हें काफी अच्छे लगते हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात पर अनिश्चितता जताई कि उन्हें ईरान के भीतर समर्थन मिल पाएगा और वे नेतृत्व संभाल पाएंगे। रॉयटर्स के अनुसार, ट्रम्प ने कहा, मुझे नहीं पता कि वे अपने देश में कैसे व्यवहार करेंगे।

हाई-टेक हथियारों से 'एलएसी' पर ताकत बढ़ा रहा भारत

- स्वदेशी 'पहिए वाला बख्तरबंद प्लेटफॉर्म' चीन बार्डर पर तैनात

नई दिल्ली (एजेंसी)। लद्दाख की जमा देने वाली ठंड और दुर्गम पहाड़ियों के बीच, भारतीय सेना अब केवल सीमाओं की रक्षा नहीं कर रही, बल्कि अपनी शर्तों पर ताकत का प्रदर्शन भी कर रही है। चीन के साथ सीमा पर जारी तनाव के बीच, भारत ने एक ऐसा हथियार तैनात किया है जो न केवल स्वदेशी है, बल्कि तकनीक के मामले में दुनिया के बेहतरीन बख्तरबंद वाहनों को टक्कर देता है। इसका नाम है-डब्ल्यूएचएपी इसे हिंदी में 'पहिए वाला बख्तरबंद प्लेटफॉर्म' भी कहा जाता है। यह केवल एक वाहन नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की उस महत्वाकांक्षा का प्रतीक है, जो अब विदेशी हथियारों पर निर्भर नहीं रहना चाहता। यह टायरों (पहियों) पर चलने वाला एक बख्तरबंद युद्धक वाहन है।

भारतीय सेना का रॉकेट-मिसाइल फोर्स बनाने पर जोर

- जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा-ईरान बन सकता है नजीर
- जनरल ने कहा-इससे अमेरिका-इजरायल भी कांपते हैं!

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभी दुनिया भर में जितने भी संघर्ष हो रहे हैं, उसने एक बात तो साफ कर दिया है कि अब परंपरागत युद्ध के दिन बीत चुके हैं। आज बात सिर्फ मॉडर्न वॉरफेयर, नॉन-कॉन्टैक्ट वॉरफेयर की हो रही है। भारत तो खुद ही ऑपरेशन सिंदूर में इसे आजमा चुका है, जिसके आगे पाकिस्तान के अमेरिकी और चीनी हथियार घुटने टेक चुके हैं लेकिन, भारतीय सेना इतने भर से संतुष्ट नहीं है। हम पूरे साल दो मोर्चों पर अपने चीन-पाकिस्तान जैसे दुश्मन पड़ोसियों के खतरे का सामना करते हैं। इसी को देखते हुए, भारत रॉकेट-मिसाइल फोर्स गठित करने की सोच रहा है। क्योंकि, इस मामले में चीन हमसे बहुत आगे है तो पाकिस्तान ने भी ऐसी मिलिट्री यूनिट बना ली है।

रॉकेट-मिसाइल फोर्स समय की जरूरत- भारत 15 जनवरी, 2026 को हर साल की तरह सेना दिवस मना रहा है। इसी मौके पर हाल ही में आयोजित एक कार्यक्रम में भारतीय सेना के प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवदी ने भी इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षा आवश्यकताएं ऐसी स्पेशलाइज्ड मिलिट्री यूनिट की ओर देखने को कह रही हैं, जिसमें एक कमांड के भीतर लंबी दूरी के रॉकेट और मिसाइल तैनात हों। उन्होंने कहा, हम एक रॉकेट-मिसाइल फोर्स की ओर देख रहे हैं, क्योंकि पाकिस्तान ने एक रॉकेट फोर्स गठित कर लिया है और चीन ने भी ऐसी फोर्स बना ली है। यह समय की जरूरत है।

भारत में कई तरह के मिसाइल और रॉकेट- इस समय भारतीय सशस्त्र सेना के पास स्वदेशी और साझा तौर पर विकसित कई तरह की मिसाइलों की बड़ी खेप है। इसमें अग्नि, ब्रह्मोस, पृथ्वी, प्रलय जैसी मिसाइलें शामिल हैं। कुछ ही दिन पहले भारत ने 120 किमी की अधिकतम रेंज वाले पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट का भी परीक्षण किया है।

चीन, पाकिस्तान के पास अलग मिसाइल यूनिट

आज की तारीख में चीन और पाकिस्तान दोनों के पास अलग से रॉकेट-मिसाइल मिलिट्री यूनिट हैं। मसलन, चीन ने इसके लिए पीपुल्स लिब्रेशन आर्मी रॉकेट फोर्स बना रखा है। वहीं ऑपरेशन सिंदूर में भारत से बुरी तरह से पिटने के बाद पाकिस्तान ने भी चीन की तर्ज पर आर्मी रॉकेट फोर्स कमांड बना ली है। अमेरिकी पेंटागन की रिपोर्ट कहती है कि चीन के पीएलएआरएफ के पास 1,250 से ज्यादा बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलें हैं। यही नहीं, उसके पास 600 से ज्यादा न्यूक्लियर वॉरहेड भी हैं, जो 2030 तक 1,000 से ज्यादा तक पहुंच सकते हैं। हालांकि, पाकिस्तान के पास भारत से ज्यादा न्यूक्लियर वॉरहेड हो सकते हैं, लेकिन बाकी मिसाइलों और रॉकेट के मामले में उसके हाथ काफी तंग हैं। जबकि, चीन की हाइपरसोनिक टेक्नोलॉजी हमसे कहीं आगे है।

- **अभी अलग-अलग यूनिट संभालते हैं**- अभी भारत के मिसाइल और रॉकेट भंडार को आर्मी एयर डिफेंस कोर (8ष्ठ) और आर्टिलरी रेजिमेंट संभालते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से भारत ने अपनी लंबी-दूरी की मारक क्षमताओं को बढ़ाने की कोशिशों पर पूरा जोर दे रखा है। आर्मी चीफ का कहना है कि नए जमाने के जंग में रॉकेट और मिसाइल एक-दूसरे पर निर्भर हो गए हैं। उनका कहना है, %आज आप देखेंगे कि रॉकेट और मिसाइलें आपस में एक-दूसरे से जुड़ गए हैं, अगर हम कोई असर डालना चाहते हैं, तो रॉकेट और मिसाइल दोनों ही ऐसा कर सकते हैं।% वैसे दोनों अलग-अलग हैं और रॉकेट के उलट मिसाइल तय टारगेट को हिट करने के लिए बनाई गई है, जिसमें इंटर्नल गाइडेंस सिस्टम भी होते हैं।

ईरान के पास ताकतवर रॉकेट-मिसाइल फोर्स

भारत रॉकेट-मिसाइल फोर्स बनाना चाहता है तो उसे ईरान से सीखने के लिए बहुत कुछ मिल सकता है। ईरान की इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कोर एयरोस्पेस फोर्स इसके अत्याधुनिक मिसाइलों के भंडारन और संचालन की जिम्मेदारी संभालती है, जो उसके एयरफोर्स के समानांतर काम करती है। ईरान की मिसाइल यूनिट के पास बैल्स्टिक, हाइपरसोनिक और क्रूज मिसाइलों का बड़ा जखीरा है। यह यूनिट लड़ाकू ड्रोन का संचालन भी देखती है और सीधे ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को रिपोर्ट करती है। ईरान की एयरोस्पेस फोर्स की क्षमता पर दुनिया ने तब ज्यादा गौर किया, जब पिछले साल इजरायल के साथ कुछ समय के लिए इसकी लड़ाई शुरू हो गई। इस यूनिट की मिसाइलों ने इजरायल के ताकतवर आयरन डोम को भी नाकाम कर दिया और करीब 25 लोगों की जान चली गई। ईरान के रॉकेट फोर्स की सबसे बड़ी ताकत इसे अंडरग्राउंड सुरंगों में छिपाकर रखना है, जिसका एक विशाल नेटवर्ग बना हुआ है। ईरान की मिसाइलें इन्हीं सुरंगों में रखी गई हैं।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व सांसद डॉ0 अरूण कुमार के पिताजी स्व0 ब्रजनंदन शर्मा जी के श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल हुये मुख्यमंत्री

पटना।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पूर्व सांसद डॉ० अरूण कुमार के पिताजी एवं जदयू विधायक श्री ऋतुराज कुमार के दादाजी स्व० ब्रजनंदन शर्मा जी के श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल हुये। वीर चंद पटेल पथ स्थित मिलर हाई स्कूल मैदान में आयोजित श्राद्ध कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने स्व० ब्रजनंदन शर्मा जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी और शोक संतप्त परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना भी दी। इस अवसर पर जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पटना जिला अंडर-16 मेंस क्रिकेट टीम का सेलेक्शन ट्रायल 18 फरवरी से

पटना। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित होने वाले घरेलू टूनार्मेंट में भाग लेने वाली पटना जिला टीम के गठन के लिए चयन समिति की घोषणा कर दी गई है। साथ ही आगामी बीसीए मेंस अंडर-16 क्रिकेट टूनार्मेंट में भाग लेने वाली पटना जिला टीम के गठन के लिए सेलेक्शन ट्रायल की भी तिथि घोषित कर दी गई है। यह जानकारी देते हुए पटना जिला क्रिकेट संघ के उपाध्यक्ष रहबर आबदीन ने बताया कि पटना जिला अंडर-16 टीम का सेलेक्शन ट्रायल 18 और 19 जनवरी को राजेंद्रनगर स्थित शाखा मैदान पर सुबह नौ बजे से होगा। सेलेक्शन ट्रायल के संयोजक धनंजय कुमार होंगे। खिलाड़ियों को अपने साथ आधार कार्ड, पैन कार्ड, डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र की मूल और छाया प्रति लानी होगी। साथ में दो फोटो भी लाना होगा। उन्होंने बताया कि सेलेक्शन ट्रायल के लिए चयन समिति का गठन कर दिया गया है। सीनियर सेलेक्शन कमेटी के चेयरमैन नागेंद्र कुमार रस्तोगी होंगे जबकि सदस्य के रूप में शाहिन अख्तर और एसएन लाल को रखा गया है। जूनियर वर्ग चयन समिति के चेयरमैन राजीव प्रसाद होंगे। इसमें सदस्य के रूप में सुमन कुमार और संजय कुमार होंगे। पटना जिला क्रिकेट संघ के उपाध्यक्ष रहबर आबदीन ने एक बार फिर से पटना जिला क्रिकेट संघ से निबंधित खिलाड़ियों, क्लबों और अन्य को दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा है कि बिहार क्रिकेट एसोसिएशन व पटना जिला क्रिकेट संघ से गैरनिबंधित टूनार्मेंटों से दूरी बना कर रखें। इन दोनों ने कहा कि आप अगर किसी टूनार्मेंट में खेलने जा रहे हैं तो उसके बारे में जानकारी हासिल कर लें तभी हिस्सा लें। इन दोनों ने कहा कि क्लबों के पदाधिकारी भी इस पर ध्यान दें कि उनके यहां से रजिस्टर्ड प्लेयर ऐसे टूनार्मेंटों में नहीं खेलें। रहबर आबदीन ने कहा कि पटना जिला क्रिकेट संघ अपने कार्य को पूरी तरीके स्वच्छ, साफ-सुथरा और निष्पक्ष रखने के लिए कृतसंकल्पित है। इन दोनों ने कहा कि सारे सेलेक्शन ट्रायल की प्रक्रिया साफ-सुथरी होगी और टीम का सेलेक्शन पूरी तरह से निष्पक्ष होगा। इन सारी चीजों पर पूरी गंभीरता से नजर रखी जारी है।

दिव्य जीर्णोद्धार फाउंडेशन ने हर्षोल्लास के साथ मनाया तीसरा स्थापना दिवस

पटना।दिव्य जीर्णोद्धार फाउंडेशन का तीसरा स्थापना दिवस गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जितेन्द्र कुमार सिन्हा ने दीप प्रज्वलित कर की। इस अवसर पर संस्था के निदेशक डॉ. राकेश दत्त मिश्र ने बीते तीन वर्षों में किए गए कार्यों और उपलब्धियों को विस्तार से सभी के समक्ष रखा। कार्यक्रम में निदेशिका सुनीता पाण्डेय एवं उपाध्यक्षा डॉ. ऋचा दुबे ने महिलाओं से संबंधित चलाए गए कार्यक्रमों और पहलों की जानकारी दी। इस अवसर पर रमेश कुमार, प्रेमसागर पाण्डेय, राजकिशोर सिंह एवं सुरेन्द्र कुमार रंजन सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।उपाध्यक्षा डॉ. ऋचा दुबे ने कहा कि आज फाउंडेशन अपने तीसरे स्थापना दिवस का गौरवपूर्ण उत्सव मना रहा है। यह अवसर केवल एक तिथि नहीं, बल्कि उन संकल्पों, प्रयासों और उपलब्धियों का प्रतीक है, जिन्होंने बीते तीन वर्षों में समाज के विभिन्न वर्गों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन की लौ प्रज्वलित की है।अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि फाउंडेशन की स्थापना शिक्षा, संस्कृति, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण तथा धार्मिक-सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण जैसे क्षेत्रों में कार्य करने के उद्देश्य से की गई थी। संस्था की मूल भावना ह्रसेवा, संस्कार और समर्पणह्व के माध्यम से समाज का सर्वांगीण विकास रही है। उन्होंने बताया कि प्रथम वर्ष में संगठनात्मक ढांचे को सुदृढ़ करते हुए शिक्षा जागरूकता, बच्चों-युवाओं के लिए नैतिक-सांस्कृतिक गतिविधियाँ तथा धार्मिक-सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षण हेतु जनसंपर्क जैसे प्रयासों से संस्था ने समाज में अपनी पहचान बनाई।

एएन कॉलेज, में एनडीआरएफ द्वारा आपदा जागरूकता हेतु मॉक ड्रिल का आयोजन

पटना। ए. एन. कॉलेज, पटना के परिसर में आपदा प्रबंधन के अंतर्गत जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से ठऊफऋ की टीम द्वारा मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक, एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी, महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। मॉक ड्रिल के दौरानएनडीआरएफ टीम ने सबसे पहले भूकंप की स्थिति में लोगों को सुरक्षित निकालने, घायलों को प्राथमिक सहायता देने तथा अफरा-तफरी से बचने के तरीकों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया। इसके बाद भवन में आग लगने की स्थिति में आग से बचाव, सुरक्षित निकासी और आपातकालीन कदमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों एवं आम लोगों को आपदा के समय सतर्क रहने, सही निर्णय लेने और जान की क्षति को कम करने के प्रति जागरूक करना था। ठरर स्वयंसेवकों और छात्रों ने मॉक ड्रिल में सक्रिय भागीदारी करते हुए आपदा प्रबंधन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कीं। महाविद्यालय प्रशासन ने एनडीआरएफ टीम, एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी और सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम भविष्य में भी आयोजित किए जाने चाहिए, ताकि समाज आपदा के समय अधिक सुरक्षित और तैयार रह सके।

ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता के दूसरे दिन तिलकामांझी विवि की टीम जीती

पटना। ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता के दूसरे दिन तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय बाल बैडमिंटन टीम का ऑल इंडिया बॉल बैडमिंटन टूनार्मेंट विजय अभियान जारी। दूसरे दिन आज मैच में तक्षशिला विश्विद्यालय से वॉक ओवर मिला। लीग मुकाबले में मणिपुर यूनिवर्सिटी मणिपुर की टीम को 35-17,35-19 से हरा कर आगे के लिए क्वालीफाई किया विश्वविद्यालय की ओर से सूरज कुमार,अंकित कुमार शर्मा,बिट्टू कुमार,सायन दास,मन्नू कुमार, और अभिषेक राज ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया टीम के शानदार प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों व कोच अविनाश कुमार,प्रबंधक- अभिमन्यु सिंह को तिलकामांझी विश्वविद्यालय के कुलपति,अध्यक्ष,छात्र कल्याण,कुलसचिव,स्पॉट काउंसिल के सचिव,डॉ दिव्य प्रियदर्शी,डॉ अनिरुद्ध कुमार,डॉ राजीव कुमार यादव,खेल सचिव ज्ञानदेव कुमार,अमर कुमार आहूजा आदि ने टीम को बधाई दी।

मकर संक्रांति के अवसर पर लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) द्वारा आयोजित दही-चूड़ा भोज कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री

एजेंसी

पटना।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज मकर संक्रांति के अवसर पर,1-व्हीलर रोड, शहीद पीर अली खां मार्ग स्थित, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश कार्यालय में आयोजित दही-चूड़ा भोज कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व० रामविलास पासवान के चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री संजय कुमार सिंह, सांसद अरूण भारती, विधायक मुरारी प्रसाद गौतम, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधीजी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, बड़ी संख्या में कार्यकर्तागण एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

भ्रष्टाचार के विरूद्ध आवाज दवाई नहीं जा सकती,मोदी जी ने साथ हुं ,और रहुंगा

एजेंसी

फतुहा।मैं प्रारंभ से लेकर आज तक भ्रष्टाचार के विरुद्ध निरंतर आवाज उठाता रहा हूं और आगे भी उठाता रहूंगा यह कोई आकस्मिक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि एक सिद्धांतगत, वैचारिक संघर्ष है। मेरी यह आवाज केवल शब्दों तक सीमित नहीं रही है। केवल सच पत्रिका,पंजाब केसरी दैनिक तथ आर्यावर्त देनिक अखबार जैसे प्रतिष्ठित अखबार के माध्यम से मैंने बार बार सार्वजनिक धन लूट, सत्ता संरक्षित भ्रष्टाचार प्रशासनिक अनियमितताओं को उजागर किया है आज भी वही कार्य कर रहा हूं और आगे भी करता रहूंगा।संविधानिक अधिकार और कर्तव्य । भारत का संविधान मुझे यह अधिकार देता है कि मैं अनुच्छेद 19 (1) (ए) एक के अंतर्गत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रयोग करूं। भ्रष्टाचार के विरूद्ध लिखो और जनहित में सत्ता से जबाब मांगू। भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज उठाना अपराध नही बल्कि लोकतांत्रिक कर्तव्य है। यह भी उतनी ही स्पष्टता से कहना आवश्यक है कि मै प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ था, हुं और रहुंगा। उनहोंने सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार के विरुद्ध शून्य सहनशीलता की बात की। उनहोंने राष्ट्रहित को राजनीति से उपर रखा जनता को जबाबदेह शासन का भरोसा दिया। लेकिन मोदी जी के नाम पर यदि कोई भ्रष्टाचार का संरक्षण देता है तो उसका विरोध करना मोदी जी के विचारों के साथ खड़ा होना है ,न कि उनके विरुद्ध बिहार बीजेपी में अकेला होना मेरी कमजोरी नहीं। यह तथ्य है और मैं इससे भागता नहीं हूं कि आज बिहार बीजेपी में मैं इस मुद्दे पर अकेला हूं। परंतु अकेलापन सत्य का झूठ नहीं बनाता।?संख्या की कमी नैतिकता को कमजोर नहीं करती और चुप्पी कभी भी ईमानदारी का प्रमाण नहीं रही है। इतिहास गवाह है- हर दौर में सच बोलने वाला व्यक्ति पहले अकेला ही होता है। सत्ता, संगठन और सच्चाई। यह लेख किसी व्यक्ति विशेष के विरुद्ध नहीं बल्कि भ्रष्ट व्यवस्था के विरुद्ध सार्वजनिक आपत्ति है। यदि संगठन में रहकर सवाल पूछना गुनाह है। यदि भ्रष्टाचार पर लिखना अनुशासन हिनता है, यदि सच कहना बगावत कहलाता है तो यह स्पष्ट हो जाना चाहिए की समस्या सच बोलने वालों में नहीं, व्यवस्था में है।भ्रष्टाचार के विरुद्ध लिखने, बोलने पर सवाल उठाने पर किसी प्रकार का दबाव, धमकी या प्रताड़ना सवैंधानिक अधिकारों का उल्घंलन मानी जाएगी।और इसके लिए संबंधित व्यक्ति या संस्था उत्तरदायित्व से मुक्त नहीं होगी। मै अकेला हो सकता हूं, पर सच के साथ हूँ। मैं पद के साथ नहीं, सिद्धांत के साथ हूँ। मै खामोशी कड़ी के साथ नहीं, मोदी के उस विचार के साथ हूँ, जिसमें भ्रष्टाचार के लिए कोई जगह । यह संघर्ष रूकेगा नहीं। यह आबाज दबेगी नहीं।

बिहार की प्रगति को गति देगी मुख्यमंत्री की समृद्धि यात्रा : प्रभाकर मिश्र

एजेंसी

» बिहार के विकास में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यात्रा का है खास महत्व
» समृद्धि यात्रा की सफलता के लिए की मंगलकामनाएं

पटना।भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश प्रवक्ता श्री प्रभाकर कुमार मिश्र ने 16 जनवरी से शुरू होनेवाली समृद्धि यात्रा के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी की यात्राओं का खास मायने होता है। हर यात्रा का सुफल निकलकर सामने आया है और प्रगति पथ पर बिहार की रफ्तार तेज हुई है। समृद्धि यात्रा मुख्यमंत्री जी की 16वीं यात्रा होगी। यह सोलहवीं यात्रा बिहार के विकास में सोलह श्रृंगार की तरह होगी, जिससे प्रदेश के सर्वांगीण विकास को पूर्णता प्राप्त होगी। श्री मिश्र ने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि बिहार के विकास में मुख्यमंत्री जी की यात्रा का खास महत्व है। विकास की किरण हर क्षेत्र तक पहुंचे और उसका लाभ हर तबके के व्यक्ति को मिले, इसके लिए गांव तक जाकर उसका फीडबैक लेना जरूरी है। मुख्यमंत्री जी अपनी यात्रा के दौरान हर जिले में जाकर देखते हैं कि क्या हुआ है और क्या करना बाकी रह गया है। श्री मिश्र ने कहा कि चूंकि इसके पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 15 यात्राएं कर चुके हैं और बिहार विकसित प्रदेश बनने की राह पर है, इसलिए इस यात्रा के दौरान बिहार की समृद्धि का अवलोकन करेंगे, साथ ही बिहार की समृद्धि के लिए कुछ शेष रह गया होगा, उसे जल्द ही पूरा किया जायेगा।

राजनीति में सुख-दुःख आता रहता है : पारस

एजेंसी

पटना।राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के प्रदेश कार्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व केन्द्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस के नेतृत्व में मकर संक्रांति के ार पर दही चूड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पार्टी के शीर्ष नेताओं, कार्यकतार्ओं और गणमान्य व्यक्तियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया इस अवसर पर मुख्य रूप से पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व सांसद प्रिंस राज, पूर्व सांसद सूरजभान सिंह, यशराज पासवान सहित कई प्रमुख नेताओं ने एक साथ मिलकर इस पर्व को मनाया। पार्टी नेताओं ने इस सांस्कृतिक आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे कार्यकतार्ओं का मनोबल और भी बढ़ा। मुख्य प्रवक्ता ललन चन्द्रवंशी ने बताया कि दही-चूड़ा भोज के अवसर पर श्री पारस ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार में राजनीतिक ग्रह एक महिने से लगा हुआ था। मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर पार्टी की ओर से पूरे बिहार वासियों को हार्दिक बधाई दी । उन्होंने कहा कि आने वाले समय में बिहार तरक्की की मार्ग पर चलेगी यही हमारी कामना है। प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी पार्टी कार्यालय में प्रदेश पदाधिकारियों, जिलाध्यक्षों, दलित सेना के जिलाध्यक्षों को आमंत्रित किया गया। काफी बड़ी संख्या में उम्मीद से ज्यादा अधिक लोग आये। आगे श्री पारस ने कहा कि राजनीति में सुख-दुःख आता रहता है अपनी संगठन को मजबूत करेंगे और पूरे बिहार में सम्मेलन होगा। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष प्रिंस राज पासवान ने कहा कि मकर संक्रांति के बाद सूर्य अपनी दिशा बदलता है और लोगों को सर्दी से राहत मिलती है। इस तरह दही-चूड़ा भोज के माध्यम से आरएलजेपी बिहार के राजनीतिक परिदृश्य में एक बड़ी शक्ति के रूप में उभरेगी। मौके पर पार्टी के एससीएसटी प्रकोष्ठ अध्यक्ष कृष्ण राज, वरीय उपाध्यक्ष विरेश्वर सिंह, अम्बिका प्रसाद बीनू, राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रवण अग्रवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष महताब आलम, महासचिव प्रमोद सिंह, तेजनारायण यादव, दलित सेना के प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम कुमार दाहा, प्रधान महासचिव रंजीत पासवान, युवा प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्र यादव, चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ सुमन, प्रदेश प्रवक्ता चन्दन कुमार, प्रदेश महासचिव राजेन्द्र विश्वकर्मा, पारस गुप्ता सहित कई लोग मौजूद थे।

सरकारी मदद और निजी इलाज मिलकर तोड़ रही बिहार में टीबी की कड़ी

एजेंसी

» अप्रैल से नवंबर 2025 तक के टीबी नोटिफिकेशन में से 58 प्रतिशत निजी क्षेत्र से
» अप्रैल से नवंबर 2025 तक राज्य में 2 लाख 18 हजार 540 टीबी नोटिफिकेशन

पटना।राज्य सरकार टीबी मुक्त बिहार का स्वप्न साकार करने के लिए कई कदम उठा रही है. इनमे अधिक से अधिक संदिग्ध मरीजों को चिन्हित करना, टीबी के साथ एचआईवी संक्रमण वाले मरीजों की चिन्हित कर उन्हें चिकित्सीय उपचार से जोड़ना, डीबीटी ट्रांसफर से पैसों का भुगतान, निजी क्लीनिकों द्वारा मरीजों को चिन्हित करने का प्रयास, ड्रग रेसिस्टेंस की जांच एवं ड्रग रेसिस्टेंट मरीजों का उपचार प्रमुख है। इसका असर स्पष्ट तौर से देखने को मिला है। अप्रैल से नवंबर 2025 तक राज्य द्वारा जारी टीबी स्कोरकार्ड के अनुसार राज्य में में 2 लाख 18 हजार 540 टीबी मरीजों की पहचान की गयी है। वहीं, इस दौरान निजी अस्पतालों ने सरकारी अस्पातलों की तुलना में अधिक टीबी मरीजों को चिन्हित किया है। इस दौरान कुल चिन्हित मरीजों का 58 प्रतिशत निजी क्षेत्र से हुआ है। अप्रैल से नवंबर, 2025 तक के जारी आंकड़ों के अनुसार रैंकिंग में वैशाली प्रथम तथा बक्सर और कटिहार क्रमशः दुसरे और तीसरे स्थान पर है। रिपोर्ट की सबसे सुखद तस्वीर सहरसा जिले से निकलकर आई है, जिसने मरीजों को चिन्हित करने के वार्षिक लक्ष्य के मुकाबले 151 प्रतिशत की उपलब्धि हासिल की है। अप्रैल-नवंबर, 2025 के आंकड़ों के अनुसार, राज्य में कुल 2 लाख 18 हजार 540 टीबी नोटिफिकेशन में से 1 लाख 27 हजार 878 (लगभग 58%) अकेले निजी क्षेत्र से आए हैं,जो सार्वजनिक क्षेत्र (90 हजार 662) की तुलना में कहीं अधिक है। पटना और गया जैसे बड़े जिलों में निजी डॉक्टरों की सक्रियता ने 'मिसिंग केस' को खोजने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। निजी क्षेत्र का यह सकारात्मक सहयोग सटीक डेटा प्रदान कर रहा है। बड़ी संख्या में निजी अस्पतालों और डॉक्टरों ने टीबी के मरीजों की जानकारी सरकारी पोर्टल पर साझा किया है, जिससे यह सुनिश्चित हुआ है कि चाहे मरीज कहीं भी इलाज कराए, उसे सरकार की ओर से मिलने वाली मुफ्त पोषण राशि और निगरानी का लाभ मिले। बिहार के सभी 38 जिलों के बीच जारी स्वास्थ्य सेवाओं की इस सकारात्मक प्रतिस्पर्धा में वैशाली जिले ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए पूरे राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।.वैशाली के जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ अजय लाल बताते हैं कि इस कामयाबी के पीछे स्वास्थ्य कर्मियों की वह कड़ी मेहनत के साथ 'पीपीपी' (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) है। जहाँ अन्य जिले केवल सरकारी या केवल निजी आंकड़ों के सहारे हैं, वहीं वैशाली ने 'परफेक्ट हाइब्रिड मॉडल' पेश किया है। वैशाली में निजी क्षेत्र ने 5,763 मरीजों को नोटिफाई किया है, जो इसके सरकारी आंकड़े (2,061) से लगभग तीन गुना अधिक है। वैशाली का यह मॉडल पूरे बिहार के लिए एक प्रेरणा बन गया है, जो यह साबित करता है कि यदि सही रणनीति और दृढ़ इच्छाशक्ति हो, तो किसी भी लक्ष्य को समय से पहले हासिल किया जा सकता है।

समृद्ध बिहार के संकल्प के साथ एक बार फिर जनता के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार : जदयू

एजेंसी

पटना।जदयू प्रदेश प्रवक्ता अरविंद निषाद ने मीडिया में जारी बयान में कहा कि 16 जनवरी से बिहार भर की समृद्धि यात्रा के माध्यम से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्य के सभी जिलों में जाकर स्वयं विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करेंगे, पूर्ण हो चुकी योजनाओं का उद्घाटन एवं नई योजनाओं का शिलान्यास करेंगे तथा प्रदेश की आत्मनिर्भरता की प्रतीक जीविका दीदियों से सीधा संवाद स्थापित करेंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब तक बिहार के सर्वांगीण विकास को गति देने के उद्देश्य से लगभग 15 व्यापक यात्राएँ कर चुके हैं। इनमें न्याय यात्रा, विकास यात्रा, विश्वास यात्रा, आभार यात्रा, सात निश्चय यात्रा और समाज सुधार यात्रा जैसी ऐतिहासिक यात्राएँ शामिल हैं। इन सभी यात्राओं का मूल उद्देश्य बिहार के लोगों से सीधा संवाद स्थापित करना, उनकी अपेक्षाओं को समझना और विकास को धरातल पर उतारना रहा है। हर यात्रा का नाम अपने आप में उसके उद्देश्य को स्पष्ट रूप से दशार्ता है। कभी न्याय और विश्वास की पुनर्स्थापना तो कभी विकास और समाज सुधार का संकल्प मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यात्राएँ केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं बल्कि बिहार के भविष्य को दिशा देने का सशक्त माध्यम रही हैं। इन्हीं यात्राओं के परिणामस्वरूप आज बिहार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। समृद्धि यात्रा के माध्यम से मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार एक बार फिर यह संदेश दे रहे हैं कि सुशासन, विकास और सामाजिक समरसता ही बिहार की असली पहचान है। जनता से सीधे जुड़कर उनकी सहभागिता से ही विकसित बिहार का सपना साकार होगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा भी बिहार को समृद्ध, सशक्त, आत्मनिर्भर एवं औद्योगिक तौर पर विकसित बनाने की दिशा में एक नया मील का पत्थर साबित होगी।

पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी दीक्षांत समारोह में रजिस्ट्रेशन का आखिरी दिन

एजेंसी

पटना।पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी का दीक्षांत समारोह 29 जनवरी को आयोजित किया जाएगा। इस दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए रजिस्ट्रेशन करने की आज आखिरी तारीख है। छात्र यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर जाकर कन्वोकेशन रजिस्ट्रेशन फॉर्म लिंक पर क्लिक करेंगे। फिर अपना रजिस्ट्रेशन नंबर, डेट ऑफ बर्थ और कैप्चा डालकर अपना डिटेल्स भरेंगे। इस बार कुल 31 टॉपरों को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया जाएगा। इसमें एक बार फिर से बेटियों का जलवा बरकरार है। इस सूची में 22 छात्राओं ने बाजी मारी है। वहीं, सिर्फ 9 छात्र शामिल हैं। 2023-25 में विभिन्न संकायों और पाठ्यक्रमों के पीजी विभागों के टॉप 10 छात्राएं ऑनलाइन आवेदन कर ऑन-स्पॉट डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही 65 पीएचडी पास छात्र-छात्राओं को भी डिग्री प्रदान की जाएगी। इस समारोह की अध्यक्षता कुलाधिपति-राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खां करेंगे। वहीं, शिक्षा मंत्री सहित विश्वविद्यालय सेवा आयोग के अध्यक्ष सहित तमाम विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को भी आमंत्रण दिया गया है। बॉटनी में शुभम कुमार, केमिस्ट्री में मनीषा कुमारी, इलेक्ट्रॉनिक में कुणाल कुमार ठाकुर, एनवायरमेंटल साइंस में अक्षदा भट्ट, मैथ्स में आर्यन राज, फिजिक्स में मुस्कान कुमारी, जूलॉजी में प्रगति कुमारी, इंग्लिश में रेशमा दरख्शां, हिंदी में आर्या कुमारी, म्यूजिक में साक्षी सेजल, फिलॉसफी में कुमार कृष्णानंद, पाली में नीतीश कुमार, प्रकृति में सुनीता यादव, संस्कृत में अनिकेत कुमार, उर्दू में वाजदा तबस्सुम, कॉमर्स में जूही कुमारी, असिएंट हिस्ट्री में सुनील कुमार, इकोनॉमिक्स में अमृता प्रीतम का नाम टॉपर के लिस्ट में शामिल है।इसके साथ ही ज्योग्राफी में संध्या राय, हिस्ट्री में सृष्टि रानी, होम साइंस में अंजनी कुमारी, श्रम एवं समाज कल्याण में जगदंबा कुमारी, पॉलिटिकल साइंस में मनीष राज, साइकोलॉजी में फरहा तबस्सुम, लोक प्रशासन में जूली सिंह, समाजशास्त्र में छवि करीना, एमबीए में आकांक्षा कुमारी, एमसीए में अनीश कुमार, एमएससी बायोटेक्नोलॉजी में अदिति राज, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में सृष्टि कुमारी और एमएड में शशि राज भारती को भी गोल्ड मेडल दिया जाएगा।

पटना में 11 जगह लगेंगे नए फायर हाइड्रेंट,आग लगी तो तुरंत होगा राहत कार्य

एजेंसी

पटना।पटना में आग लगने पर जल्द स्थिति को नियंत्रण में लिया जाएगा। पटना नगर निगम क्षेत्र में 11 नए फायर हाइड्रेंट लगाए जाएंगे। इसमें करीब 1.23 करोड़ रुपए खर्च आएगा। इसके लिए आपदा प्रबंधन विभाग ने राशि उपलब्ध करा दी है। इसमें प्रति यूनिट 11 लाख 23 हजार 700 रुपए की लागत आएगी। आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से चिह्नित स्थानों पर इसे इंस्टॉल किया जाएगा। हर स्थान पर 600 वर्ग फुट क्षेत्र में फायर हाइड्रेंट लगाया जाएगा। फायर हाइड्रेंट लगने से अग्निशमन वाहनों को मौके पर ही पानी की सुविधा मिलेगी। इससे आग पर जल्दी काबू पाया जा सकेगा और जान-माल के नुकसान को कम किया जा सकेगा। पटना नगर निगम की सशक्त स्थायी समिति की 19वीं साधारण बैठक में इस प्रस्ताव पर मुहर लगी थी। कंकड़बाग अंचल में छह जगह पर फायर हाइड्रेंट लगेंगे। वार्ड संख्या-29 अंतर्गत जक्कनपुर थाना रोड में आर्यभट्ट यूनिवर्सिटी और चाणक्य नेशनल यूनिवर्सिटी के बीच एक फायर हाइड्रेंट लगाया जाएगा। वहीं, वार्ड 34 में टेम्पो स्टैंड और पाटलीपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के नजदीक स्थित स्लम एरिया में एक-एक फायर हाइड्रेंट लगेगा। इसके साथ ही वार्ड-35 में कंकड़बाग स्थित विकलांग अस्पताल के पास स्लम एरिया में एक फायर हाइड्रेंट लगेगा। इसी तरह वार्ड-44 में मलाही पकड़ी चौक के पास पार्क के बगल में और वार्ड-46 में बहादुरपुर सेक्टर 7 में प्ले फील्ड के पास स्लम एरिया में एक-एक फायर हाइड्रेंट लगाया जाएगा। पटना नगर निगम के वार्ड 47 में सैदपुर हॉस्टल के सामने स्लम बस्ती में फायर हाइड्रेंट लगाया जाएगा। वहीं, काजीपुर रोड नंबर-2 पर अवर सचिव के आवासीय परिसर के नजदीक और लोहानीपुर स्थित अंबेडकर कॉलोनी में पार्क के सामने एक-एक फायर हाइड्रेंट का अधिष्ठापन किया जाएगा। नूतन राजधानी अंचल में नेहरू नगर टैक्स भवन कार्यालय रोड स्थित नेहरू नगर के कोना पर स्लम बस्ती में एक फायर हाइड्रेंट लगाया जाएगा। इसके साथ ही, अदालतगंज रोड स्थित सीपीआई क्वार्टर और नाला के कोने के पास खाली जगह पर एक-एक फायर हाइड्रेंट लगाया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

कामरेड पीतांबर सिंह की 102वीं जयंती पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी। महान स्वतंत्रता सेनानी एवं जननेता कामरेड पीतांबर सिंह की 102वीं जयंती बुधवार को चकिया के डीपीटीएस कॉलेज के समीप स्थित एक निजी कोचिंग परिसर में समारोहपूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम के दौरान भाकपा नेताओं, समाजसेवियों एवं समर्थकों ने उनके तैलचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाकपा नेता एवं अधिवक्ता डॉ. शंभू शरण सिंह तथा विशिष्ट अतिथि श्रीबाबू यादव व समाजसेवी सैयदुल्लाह उर्फ बाबू साहेब ने कामरेड पीतांबर सिंह के विचारों और संघर्षों को याद करते हुए उन्हें जनआंदोलन का सच्चा नायक बताया। वक्ताओं ने कहा कि पीतांबर सिंह ने आज़ादी की लड़ाई में सक्रिय भूमिका निभाने के साथ-साथ शोषित, दलित और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया। डॉ. शंभू शरण सिंह ने कहा कि कामरेड पीतांबर सिंह सामाजिक सौहार्द, किसान हित, महिला सशक्तिकरण और युवाओं के मार्गदर्शन के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे उनके जीवन संघर्ष से प्रेरणा लें। उन्होंने रेलवे संपर्क पथ संख्या 137-ए पर लगने वाले जाम की समस्या उठाते हुए शीघ्र निर्माण कार्य शुरू करने की मांग की और आंदोलन की चेतावनी दी। कार्यक्रम के दौरान भाकपा कार्यकर्ताओं ने कामरेड पीतांबर सिंह के समर्थन में नारे लगाए। सभा में विश्वनाथ यादव, विजय शंकर सिंह, डॉ. आसिफ हुसैन, सुरेश यादव, हरि सहनी, सुनील सहनी, कमलेश सहनी सहित बड़ी संख्या में भाकपा नेता व समर्थक मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं संचालन भाकपा सह मजदूर नेता कामरेड भिखारी गिरी ने किया। आयोजन समिति की ओर से अतिथियों एवं गणमान्य लोगों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

विशेष समकालीन अभियान में 190 गिरफ्तार, 107 अभियुक्त जेल भेजे गए

बीएनएम @ मोतिहारी। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात, के निर्देश पर 14 जनवरी 2026 को जिले भर में विशेष समकालीन अभियान चलाया गया। अभियान के तहत कांड एवं वारंट मामलों में सघन कार्रवाई करते हुए बड़ी संख्या में गिरफ्तारी की गई। पिछले 24 घंटे के भीतर जिले में कुल 190 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें से 107 अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार 58 गिरफ्तारियां वारंट के आधार पर की गईं। थाना स्तर पर की गई कार्रवाई में हरसिद्धि थाना क्षेत्र से 9, आदापुर थाना क्षेत्र से 10 तथा मुफस्सिल थाना क्षेत्र से 11 अभियुक्तों की गिरफ्तारी दर्ज की गई है। पुलिस प्रशासन ने बताया कि जिले में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए इस तरह के विशेष अभियान लगातार जारी रहेंगे।

12 वर्षों की सेवा के बाद शिक्षकों का स्थानांतरण, जिहुली उच्च विद्यालय में भावभीनी विदाई

बीएनएम @ जिहुली। जिहुली उच्च विद्यालय के शिक्षक हरिशंकर झा एवं राधेश्याम चौधरी के सीतामढ़ी स्थानांतरण के उपलक्ष्य में विद्यालय परिसर में एक भावभीनी विदाई समारोह का आयोजन किया गया। दोनों शिक्षक पिछले 12 वर्षों से विद्यालय में कार्यरत थे और छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के साथ उनके सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे। समारोह को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य अमरेंद्र कुमार ने कहा कि हरिशंकर झा एवं राधेश्याम चौधरी जैसे अनुभवी और समर्पित शिक्षकों की कमी विद्यालय को हमेशा खलेगी। उन्होंने कहा कि दोनों शिक्षकों ने न केवल शैक्षणिक स्तर को ऊंचा उठाया, बल्कि अपने व्यवहार, अनुशासन और मार्गदर्शन से विद्यार्थियों को बेहतर नागरिक बनने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं में मोहम्मद जुनैद अहमद, संजीव कुमार, विकास कुमार, नंदिता, अपराजिता, नीता, अनंत बैठा, मोजहिर हुसैन, राजन कुमार एवं नेहा रानी उपस्थित रहे। विदाई समारोह के दौरान भावुक होते हुए दोनों शिक्षकों ने कहा कि जिहुली उच्च विद्यालय से उन्हें जो स्नेह, सम्मान और सहयोग मिला है, उसे वे जीवन भर नहीं भूल पाएंगे। यह अनुभव उनके जीवन का अमूल्य हिस्सा रहेगा। कार्यक्रम के अंत में सभी ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ विदाई दी।

मकर संक्रांति का पर्व हर्षोल्लास के साथ संपन्न, मठ-मंदिरों में हुआ खिचड़ी भोज

बीएनएम @ सुगौली। मकर संक्रांति का पावन पर्व गुरुवार को प्रखंड क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हो गया। अहले सुबह से ही प्रखंड क्षेत्र से होकर बहने वाली सिकरहना नदी के लालपरसा, धनही एवं माली स्थित विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने नदी में स्नान कर उत्तरायण भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया तथा विभिन्न मंदिरों में पहुंचकर पूजा-अर्चना की। मकर संक्रांति के अवसर पर नगर पंचायत क्षेत्र के बाबा जयराम दास ठाकुरबाड़ी में मठ के महंत बाबा मनीष दास के नेतृत्व में खिचड़ी महाभोज का आयोजन किया गया। वहीं सरस्वती शिशु विद्या मंदिर विद्यालय परिसर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से भी खिचड़ी भोज का आयोजन हुआ। महाभोज में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लिया और महाप्रसाद ग्रहण किया। पर्व के अवसर पर पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा और सामाजिक समरसता का सुंदर दृश्य देखने को मिला।

तुरकौलिया में बाइक नहर में गिरी, चालक बाल-बाल बचा रघुनाथपुर में पेड़ से टकराई बाइक, चालक गंभीर

बीएनएम @ तुरकौलिया। शंकर सरैया मुंशी इनार पुल पर गुरुवार को एक बाइक चालक का संतुलन बिगड़ने से बड़ा हादसा हो गया। संतुलन बिगड़ने के बाद बाइक पुल की रेलिंग से टकरा गई और चालक समेत नहर के गहरे पानी में जा गिरी। बाइक भी पानी में डूब गई। घटना के बाद आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए नहर में छलांग लगाई और डूब रहे चालक को सुरक्षित बाहर निकाला। बाद में रस्सी के सहारे बाइक को भी पानी से बाहर निकाला गया। हादसे में बाइक चालक को हल्की चोटें आई हैं। बताया जा रहा है कि घायल चालक छपवा का निवासी है और शंकर सरैया से तुरकौलिया की ओर जा रहा था। पुल अधिक घुमावदार होने के कारण बाइक का संतुलन बिगड़ गया। वहीं दूसरी घटना रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर गदरिया के पास हुई, जहां मोतिहारी की ओर से आ रही एक बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में बाइक चालक गंभीर रूप से जख्मी हो गया, जबकि उसके साथ बैठी महिला को हल्की चोटें आई हैं। ग्रामीणों की मदद से घायल चालक को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। दोनों घायलों की पहचान समाचार लिखे जाने तक नहीं हो सकी है। इस संबंध में पुलिस ने बताया कि उन्हें अब तक घटनाओं की कोई आधिकारिक सूचना प्राप्त नहीं हुई है।

पूर्वी चम्पारण: एसपी के अभियान से मुकदमों में तेजी, पुलिस के प्रयास क़ी सराहना

सागर सूरज

मोतिहारी। पूर्वी चम्पारण जिले में पुलिस ने मुकदमों के अनुसंधान में अभूतपूर्व तेजी दिखाई है। दशकों से लंबित पेंडिंग केस और पॉकेट डिस्पोजल में छूटे हजारों मामलों का निपटारा हो रहा है। एसपी स्वर्ण प्रभात के नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियान ने वार फुटिंग पर मॉनिटरिंग से सैकड़ों मुकदमों के आरोप पत्र कोर्ट में दाखिल कराए। यह प्रयास न केवल न्याय प्रक्रिया को मजबूत कर रहे, बल्कि अपराध नियंत्रण में भी मील का पत्थर साबित हो रहे हैं। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में उत्कृष्ट अनुसंधानकर्ताओं को प्रशस्ति पत्र दिए गए। एसपी स्वर्ण प्रभात और डीएसपी (साइबर) अभिनव पराशर ने इन पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया,

जिन्होंने समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण जांच से कांडों को सफलतापूर्वक निष्पादित किया। समारोह में एसपी ने कहा, "त्वरित एवं निष्पक्ष अनुसंधान न्याय की रीढ़ है। इससे अपराध नियंत्रण होता है और जनता का पुलिस पर भरोसा बढ़ता है।

" उन्होंने सभी से भविष्य में भी कर्तव्यनिष्ठा बनाए रखने का आह्वान किया। डीएसपी अभिनव पराशर ने साइबर अपराधों के बढ़ते स्वरूप पर जोर देते हुए कहा कि तकनीकी दक्षता और

समयबद्ध जांच जरूरी है। "ऐसे प्रयास पुलिस की कार्यकुशलता को नई ऊंचाई देते हैं," उन्होंने सराहना की।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बेहतर प्रदर्शन वालों को लगातार प्रोत्साहित किया जाएगा, ताकि कानून-व्यवस्था मजबूत बने। समारोह में वरीय अधिकारी, थाना प्रभारी और पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। सम्मानित अनुसंधानकर्ताओं में उत्साह छाया रहा, जबकि अन्य के लिए यह प्रेरणा बना।

एसपी स्वर्ण प्रभात के अभियान की सराहना हर ओर हो रही है। दशकों पुराने पेंडिंग केसों का डिस्पोजल और फाइनल रिपोर्ट दाखिल होने से कोर्ट में मुकदमे तेजी से अंजाम तक पहुंच रहे।

इससे जिले में अपराध की दर घटी है, क्योंकि अपराधी अब डरते हैं। जनता का पुलिस पर विश्वास बढ़ा, शिकायतों का त्वरित निपटारा हुआ। साइबर क्राइम जैसे नए चुनौतियों में भी सफलता मिली।

पुरस्कार वितरण ने टीम स्पिरिट बढ़ाया, जिससे भविष्य के अभियान और प्रभावी होंगे। पूर्वी चम्पारण अब बिहार का मॉडल जिला बनने की राह पर है। ऐसे प्रयास जारी रहे तो अपराधमुक्त जिला सपना नहीं रहेगा।

मुंशी सिंह महाविद्यालय में स्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा शांतिपूर्ण प्रारंभ

बीएनएम @ मोतिहारी

बीआरए. बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के तत्वावधान में स्नातक (सी. बी.सी.एस) प्रथम सेमेस्टर, सत्र 2025–29 की परीक्षा दिनांक 15 जनवरी 2026 से प्रारंभ हो गई। मुंशी सिंह महाविद्यालय में एल.एन.डी. कॉलेज, मोतिहारी एवं एम. एस. एम.जी. कॉलेज, अरेराज के परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा केंद्र बनाया गया है। मुंशी सिंह महाविद्यालय, मोतिहारी परीक्षा केंद्र पर प्रथम पाली में मेजर ग्रुप -ए के अंतर्गत इतिहास विषय की परीक्षा संपन्न हुई, जिसमें कुल 426 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। वहीं, दूसरी पाली में मेजर ग्रुप - बी के अंतर्गत फिजिक्स, दर्शनशास्त्र, हिंदी और इकोनॉमिक्स विषयों की परीक्षा हुई, जिसमें 1292 परीक्षार्थियों ने भाग लिया। परीक्षा कदाचार मुक्त, अनुशासित एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा परीक्षा की शुचिता एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक सभी प्रबंध किए गए थे। यह जानकारी मुंशी सिंह महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. एम.एन. हक़ और परीक्षा नियंत्रक डॉ. मशहूर अहमद के हवाले से महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. गौरव भारती ने दी है।

अवैध शराब मामले में सात नामजद, उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी

बीएनएम @ पताही

थाना क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई के तहत बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम 2022 के अंतर्गत कांड संख्या 08/26, दिनांक 14 जनवरी 2026 को दर्ज किया गया है। इस मामले में कुल सात अभियुक्तों को नामजद किया गया है। नामजद अभियुक्तों में मुकेश कुमार (उम्र 30 वर्ष), पिता– जयमंगल मुंडल, ग्राम– चम्पापुर; दीप नारायण दास (उम्र 40 वर्ष), ग्राम– पलट गोविंदपुर; नन्दक महतो (उम्र 35 वर्ष), पिता– चन्द्र महतो, ग्राम– पकड़ीदयाल; श्याम किशोर (उम्र 30 वर्ष), पिता– बदुलाल महतो, ग्राम– बोकारे खुर्द; जय नारायण साह (उम्र 35 वर्ष), पिता– रघु साह, ग्राम– पकड़ी कला; अजय साह (उम्र 27 वर्ष), पिता– जन्ना साह, ग्राम– चम्पापुर तथा राजेश मुखिया (उम्र 35 वर्ष), पिता– ललन मुखिया, ग्राम– पचरूही शामिल हैं। इस संबंध में पताही थानाध्यक्ष बबन कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र में मद्यनिषेध कानून का सख्ती से पालन कराया जा रहा है। अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं परिवहन में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस लगातार छापेमारी अभियान चला रही है।

नवदिवसीय श्रीराम चरित मानस महायज्ञ को लेकर ध्वजारोहण, धार्मिक अनुष्ठान शुरू

बीएनएम @ मोतिहारी

कोटवा प्रखंड अंतर्गत जसौली पट्टी, जगीरहा स्थित प्रसिद्ध माता सोना देवी–सुंदर देवी मंदिर परिसर में श्री श्री 1008 श्रीराम चरित मानस नवाह पारायण महायज्ञ के आयोजन को लेकर बुधवार को विधिवत ध्वजारोहण कार्यक्रम संपन्न हुआ। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच ध्वजारोहण के साथ महायज्ञ का शुभारंभ किया गया, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। महायज्ञ के यजमान हरेंद्र सिंह, राम विनय सिंह, राम इकबाल सिंह एवं मधुरेंद्र सिंह के साथ आचार्य पंडित आशुतोष कुमार द्विवेदी ने विधिवत पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराया। आयोजन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष अरुण सिंह ने बताया कि 22 जनवरी 2026 को भव्य जल यात्रा निकाली जाएगी, जबकि 23 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक श्रीराम चरित मानस पाठ एवं यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। महायज्ञ के दौरान दिल्ली के रामलीला मैदान से प्रसिद्ध विकास रामलीला ग्रुप द्वारा रामलीला एवं पुष्पों की कथा प्रस्तुत की जाएगी। वहीं बनारस से पधारे विद्वान आचार्यों द्वारा वेद पाठ, वेदी पूजन एवं अन्य वैदिक कर्मकांड संपन्न कराए जाएंगे। इसके अलावा काशी के प्रसिद्ध पंडितों द्वारा प्रतिदिन संध्या 7 बजे से 8 बजे तक भव्य गंगा आरती का आयोजन श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण रहेगा। आयोजन समिति के अध्यक्ष लालबाबू सिंह ने बताया कि यह महायज्ञ विगत 17 वर्षों से लगातार आयोजित हो रहा है और इस वर्ष इसका 18वां आयोजन है। इसमें बिहार सहित अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं और माता सोना देवी–सुंदर देवी के दर्शन कर मनोकामनाओं की पूर्ति की कामना करते हैं। श्रद्धालुओं के मनोरंजन के लिए ब्रेक डांस, मौत का कुआं, टावर झूला सहित विभिन्न खेल-तमाशों की व्यवस्था की गई है। वहीं श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु भंडारा, स्वच्छ पेयजल, शौचालय एवं रात्रि विश्राम की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

10 हजार का इनामी वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

झरोखर थाना कांड संख्या–158/25 (एससी/एसटी) के वांछित एवं 10,000 रुपये के इनामी अभियुक्त राहुल कुमार उर्फ राहुल कुशवाहा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अभियुक्त की गिरफ्तारी पूर्णाहियां चौक के समीप से की गई। वह जय प्रकाश कुशवाहा का पुत्र है तथा जमुनिया गांव, थाना–झरोखर, जिला–पूर्वी चंपारण का निवासी है। पुलिस के अनुसार अभियुक्त के विरुद्ध आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध झरोखर थाना में पूर्व से कई मामले दर्ज हैं। इनमें थाना कांड संख्या–155/16 (हत्या का प्रयास), कांड संख्या–453/18 (मारपीट), कांड संख्या–244/19 एवं 401/21 (उत्पाद अधिनियम) तथा कांड संख्या–44/24 (हत्या का प्रयास) शामिल हैं। पुलिस ने इस गिरफ्तारी को क्षेत्र में अपराध नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता बताया है।

श्रीमद् भागवत कथा आयोजन को लेकर निकाली गई भव्य जलयात्रा

बीएनएम @ सुगौली

प्रखंड क्षेत्र के पंजीअरवा में श्रीमद् भागवत कथा को लेकर गुरुवार को भव्य जलयात्रा सह शोभायात्रा निकाली गई।बाजे गाजे के साथ सैकड़ों भागवत भक्तों ने भव्य शोभायात्रा निकालकर सिकरहना नदी से पवित्र जल लिया और कथा स्थल में जल कलशों को स्थापित किया। श्री रामजानकी मंदिर परिसर में आयोजित कथा के आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि कथा का शुभारंभ 16 जनवरी से होकर 22 जनवरी को समापन होगा। भागवत कथा के सहयोगी रामइकबाल प्रसाद ने बताया कि कथा का आयोजन नवयुवक पूजा समिति के सदस्यों द्वारा शुभम् दास के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कथा के यजमान के रूप में पम्मी भगत, रमण झा, शत्रुघ्न मिश्र सहित अन्य हैं। जलयात्रा कार्यक्रम में ब्रजभूषण मिश्र, अनिल भगत, राजेन्द्र यादव, किशुनदेव पासवान, अविनाश मिश्रा सहित ग्रामीण व भारी संख्या में अन्य श्रद्धालु उपस्थित थे।

अतिक्रमण की चपेट में मोहन गौशाला, अस्तित्व पर मंडरा रहा संकट

बीएनएम @ रामगढ़वा

प्रखंड के नवकठवा तिलवे नदी के समीप स्थित मोहन गौशाला का अस्तित्व दिन-ब-दिन संकट में पड़ता जा रहा है। आरोप है कि गौशाला की भूमि के एक हिस्से पर भू-माफियाओं द्वारा अतिक्रमण कर उसे बेच दिया गया है, जिससे वर्षों पुरानी इस गौशाला का भविष्य अनिश्चित हो गया है। वर्तमान स्थिति यह है कि मोहन गौशाला में एक भी गाय मौजूद नहीं है। वहीं पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, बिहार सरकार की ओर से अब तक किसी प्रकार की अनुदान राशि भी उपलब्ध नहीं कराई गई है। गौशाला परिसर में स्थित हनुमान मंदिर एवं एक छोटे शनि मंदिर की देखरेख ग्रामीणों के सहयोग से की जा रही है। ग्रामीणों द्वारा मंदिर परिसर की साफ-सफाई, रंग-रोगन एवं नियमित देखभाल की जा रही है। गौशाला कमिटी के अनुसार मोहन गौशाला की कुल भूमि 1 काठा 19 धुर है, जिसका खाता संख्या 17 एवं खेसरा संख्या 1465 है। वर्ष 2015 में गौशाला कमिटी द्वारा रक्सौल एसडीएम के न्यायालय में मनिंदर तिवारी के विरुद्ध परिवार वाद दायर किया गया था, जो अब तक निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सका है। इस संबंध में मोहन गौशाला के सचिव सुरेश भगत ने सरकार से अपील करते हुए कहा कि गौशाला कमिटी का पुनर्गठन किया जाए और विभागीय अनुदान उपलब्ध कराया जाए, ताकि गौशाला का अस्तित्व बचाया जा सके और पुनः गौ-सेवा शुरू हो सके। वहीं अंचलाधिकारी राजा कुमार ने बताया कि इस मामले में उन्हें अब तक कोई लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलते ही मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

मंदिर में क्षति पहुँचाने वाला युवक निकला मानसिक बीमार

बीएनएम @ भागलपुरः भागलपुर के तिलकामांझी थाना क्षेत्र में एक हनुमान मंदिर में हुई तोड़फोड़ की घटना ने सुरक्षा और सामाजिक संवेदनशीलता को लेकर एक गंभीर बहस छेड़ दी है। घटना के बाद शुरुआत में क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया, लेकिन पुलिस की त्वरित कार्रवाई और स्थानीय लोगों के संयम ने स्थिति को बिगड़ने से बचा लिया। पुलिस ने मौके से एक घायल युवक को हिरासत में लिया, जिसकी पहचान शाहकुंड निवासी चुनचुन यादव के रूप में हुई।सदर अस्पताल में इलाज के दौरान यह तथ्य सामने आया कि युवक के हाथों में शीशा तोड़ने के कारण गंभीर चोटें आई थीं। साथ ही, डॉक्टरों ने उसे मनोरोग विभाग में रेफर करने की सलाह दी। इसी बीच अस्पताल पहुँचे परिजनों ने खुलासा किया कि चुनचुन यादव लंबे समय से मानसिक बीमारी से जूझ रहा है। उसके पिता सुबोध यादव के अनुसार, वे मंगलवार को उसे इलाज के लिए शहर लाए थे, लेकिन वह उनसे बिछड़कर लापता हो गया था।पुलिस ने मामले की संवेदनशीलता और चिकित्सकीय राय को ध्यान में रखते हुए संतुलित रुख अपनाया। प्रथम दृष्टया किसी भी साजिश या संगठित हमले की संभावना को खारिज करते हुए, युवक को उसके पिता के जिम्मेनामे पर सौंप दिया गया। हालांकि, पुलिस ने स्पष्ट किया कि धार्मिक स्थल पर हुई तोड़फोड़ को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, इसलिए सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा किया जाएगा। यह घटना न केवल धार्मिक आस्था और सुरक्षा के तालमेल को दर्शाती है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी की ओर भी संकेत करती है। वर्तमान में स्थिति पूरी तरह सामान्य है और मंदिर में क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत की तैयारी की जा रही है।

देशी कट्टा व् ज़िंदा कारतूस बरामद

बीएनएम @ बगहाः बगहा पुलिस जिला अंतर्गत गंडक पार स्थित धनहा थाना क्षेत्र के मरीचहवा चौक से एक देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस के साथ एक नाबालिक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। तथा न्यायिक हिरासत में बगहा भेज दिया है। पुलिस इन्स्पेक्टर सह धनहा थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि मरीचहवा बाजार में एक युवक हथियार लेकर घूम रहा हैं। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आलोक में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी कर युवक को गिरफ्तार कर लिया। युवक के पास से एक देशी कट्टा व दो जिंदा कारतूस बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि, युवक की पहचान मरीचहवा गांव निवासी जितनारायण यादव के लड़के की रूप में हुई हैं। थानाध्यक्ष ने बताया कि, युवक की बैकग्राउंड की जांच की जा रही हैं। एव जांच के बाद जेल भेज दिया जाएगा। थानाध्यक्ष ने बताया कि असामाजिक तत्वों शराब धंधेबाजों पशु तस्करों के विरुद्ध मुहिम चला कर लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है।

विश्वविद्यालयों में 4,000 असिस्टेंट प्रोफेसरों की नियुक्ति की तैयारी

बीएनएम @ पटना। बिहार के उच्च शिक्षा क्षेत्र में करियर बनाने की इच्छा रखने वाले युवाओं के लिए एक बड़ी खबर है। राज्य के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के लगभग 4,000 रिक्त पदों पर बहाली की तैयारी शुरू हो गई है। बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग (BSUSC) ने सभी विश्वविद्यालयों से रिक्तियों का विस्तृत ब्योरा मांगा है, जिसके जनवरी के अंत तक प्राप्त होने की संभावना है।इस बार नियुक्ति प्रक्रिया में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल सकते हैं। आयोग लिखित परीक्षा को चयन प्रक्रिया का हिस्सा बनाने पर विचार कर रहा है, ताकि पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। यह बदलाव यूजीसी के नए नियमों और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के अनुरूप हो सकता है।आयोग के अध्यक्ष प्रो. गिरीश कुमार चौधरी के अनुसार, पूर्व में विज्ञापित 4,638 पदों में से अधिकांश पर नियुक्तियां पूर्ण हो चुकी हैं, जबकि कुछ विषय न्यायालय में लंबित हैं। सेवानिवृत्ति के कारण खाली हुए नए पदों को इस आगामी बहाली में शामिल किया जाएगा। साथ ही, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर के पदों के लिए भी अलग नियमावली तैयार की जा रही है। एक बार रिक्तियों की सूची स्पष्ट होने के बाद, आयोग औपचारिक विज्ञापन जारी कर आवेदन आमंत्रित करेगा।

हथियार के साथ चार बदमाश गिरफ्तार

बीएनएम @ दरभंगा। जिले में अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। नदी थाना क्षेत्र में की गई छापेमारी के दौरान पुलिस ने चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक देसी कट्टा और चार जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।पुलिस के अनुसार, सभी आरोपी किसी आपराधिक वारदात की फिराक में थे। गिरफ्तारी के बाद उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस उनके आपराधिक नेटवर्क, पूर्व के क्रिमिनल रिकॉर्ड और हथियार की सप्लाई से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी खंगाल रही है।अधिकारियों का कहना है कि जिले में अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और ऐसे मामलों में किसी तरह की ढील नहीं दी जाएगी।

सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा' के संदेश के साथ प्रखंडों में घूम रहा जागरूकता रथ

बीएनएम @ बगहा : बिहार सरकार के परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा माह 2026 के तहत पश्चिम चंपारण के सभी प्रखंडों में सघन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को जागरूकता रथ मधुबनी प्रखंड कार्यालय पहुँचा, जहाँ लोगों को यातायात नियमों के पालन की शपथ दिलाई गई। जिला सड़क सुरक्षा समिति, बेतिया के तत्वावधान में संचालित इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना है।रथ के माध्यम से संदेश दिया जा रहा है कि हेलमेट पहनना, सीट बेल्ट लगाना और गति सीमा का पालन करना केवल कानूनी नियम नहीं, बल्कि जीवन सुरक्षा का आधार है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि हादसों पर अंकुश लगाने के लिए जन-भागीदारी अनिवार्य है। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना की और स्वयं नियमों का पालन करने के साथ दूसरों को प्रेरित करने का संकल्प लिया।

18 लीटर शराब बरामद, धंधेबाज गिरफ्तार, बाइक जब्त

बीएनएम @ बगहा : बगहा पुलिस जिला अंतर्गत धनहा थाना पुलिस ने बुधवार देर शाम वाहन जांच के दौरान 18 लीटर शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक रामानंद कौशल के निर्देश पर चलाए जा रहे सघन जांच अभियान के तहत एक संदिग्ध मोटरसाइकिल को रोका गया, जिसकी तलाशी लेने पर 9 लीटर देसी शराब, 8 लीटर बियर और 1 लीटर विदेशी रम बरामद हुई।पुलिस ने मौके से तस्कर सचिन यादव (निवासी सिताब दियारा) को गिरफ्तार कर उसकी मोटरसाइकिल जब्त कर ली है। थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। एसपी ने स्पष्ट किया कि शराबबंदी को लेकर जिले में जीरो टॉलरेंस की नीति जारी रहेगी।

बिहार फिल्म प्रोत्साहन नीति से बदलती पहचान, फिल्मों की नई राह पर बिहार

» बिहार में 39 फिल्मों को शूटिंग की अनुमति

बीएनएम @ पटना

बिहार की तस्वीर अब तेजी से बदल रही है। आज बिहार अपनी सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और फिल्म-फ्रेंडली माहौल के कारण देश-विदेश के फिल्म निर्माताओं की पसंद बनता जा रहा है। इस बदलाव के केंद्र में है राज्य सरकार की दूरदर्शी 'बिहार फिल्म प्रोत्साहन नीति', जिसने बिहार को फिल्म निर्माण के नए नक्शे पर स्थापित कर दिया है। इस नीति के लागू होने के बाद अब तक राज्य में 39 फिल्मों को शूटिंग की अनुमति दी जा चुकी है, जिनमें से 33 फिल्मों की शूटिंग सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी है। खास बात यह है कि ये फिल्में सिर्फ भोजपुरी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि हिंदी, अंग्रेजी, भोजपुरी और मगही जैसी कई भाषाओं में बनाई जा रही हैं। इससे यह स्पष्ट है कि बिहार अब बहुभाषी और विविधतापूर्ण सिनेमा का उभरता हुआ केंद्र बन रहा है। फिल्म निर्माताओं के लिए अब मुंबई और दिल्ली ही एकमात्र विकल्प नहीं रह गए हैं। पटना, राजगीर, नालंदा, गया, भागलपुर और मोतिहारी जैसे शहर अपनी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक खूबसूरती के कारण शूटिंग के लिए पसंद किए जा रहे हैं। राज्य में शूटिंग होने से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी सीधा लाभ मिला है। होटल, कैटरिंग, ट्रांसपोर्ट और अन्य सहायक सेवाओं में मांग बढ़ी है, जिससे स्थानीय व्यवसायों को रोजगार के अवसर मिले हैं। इसके साथ ही फिल्म निर्माण से जुड़े तकनीकी क्षेत्रों में भी रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं। स्थानीय युवाओं को कैमरा ऑपरेशन, साउंड रिकॉर्डिंग, एडिटिंग और प्रोडक्शन मैनेजमेंट जैसी विधाओं में प्रशिक्षण मिल रहा है। बिहार राज्य फिल्म विकास निगम द्वारा आयोजित वर्कशॉप, एक्सपर्ट मास्टर क्लास और स्क्रिप्ट राइटिंग सेमिनारों ने राज्य में एक मजबूत फिल्म इकोसिस्टम तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। फिल्म प्रोत्साहन नीति की एक खास पहल है 'फिल्म टूरिज्म प्रमोशन'। इसके तहत किसी फिल्म में जब किसी स्थान को दिखाया जाता है, तो वह अपने आप पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन जाता है। इसी सोच के तहत बिहार सरकार ने उन फिल्मों को अतिरिक्त प्रोत्साहन देने का प्रावधान किया है, जिनमें राज्य के पर्यटन स्थलों और सांस्कृतिक विरासत को प्रमुखता से दर्शाया गया हो। राजगीर, नालंदा, सोनपुर मेला और भागलपुर के घाट अब फिल्मों के साथ-साथ पर्यटकों की पसंदीदा सूची में भी शामिल हो रहे हैं।

गोवा फिल्म फेस्टिवल में बिहार पवेलियन का जलवाः गोवा में आयोजित 5 दिवसीय फिल्म फेस्टिवल में भी बिहार पवेलियन का जलवा बरकरार रहा। इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया के 56वें संस्करण में बिहार पवेलियन पर सबसे ज्यादा भीड़ रही। इसमें बिहार की फिल्म प्रोत्साहन नीति, यहां शूटिंग करने से मिलने वाले फायदे, और यहां के शूटिंग लोकेशन के बारे में जानकारी प्रदान दी गई। इस फेस्टिवल में दुनिया भर के फिल्म निर्माता, निर्देशक, अभिनेता और फिल्म जगत से जुड़े लोग जुड़े। इस क्रेज का फायदा यह हुआ कि महज दो महीनों में ही 9 फिल्मों की शूटिंग के आवेदन आए और उन्हें यहां बिहार में शूट करने की अनुमति मिली। इसके साथ ही विभिन्न राज्यों के फिल्मी दुनिया के लोगों से एक संपर्क स्थापित हुआ। कला एवं संस्कृति विभाग के मंत्री अरूण शंकर प्रसाद ने बताया कि "बिहार फिल्म प्रोत्साहन नीति ने राज्य की छवि को नया आयाम दिया है। 40 फिल्मों की शूटिंग अनुमति, बहुभाषी सिनेमा, स्थानीय रोजगार और फिल्म टूरिज्म को बढ़ावा देकर बिहार को उभरते फिल्म हब के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने मार्च–अप्रैल माह में मुंबई में फिल्म निर्माता–निर्देशकों के साथ बैठक आयोजित किए जाने का निर्देश दिया, जिससे बिहार फिल्म नीति से संबंधित हितधारकों के साथ प्रभावी संवाद स्थापित किया जा सके।"

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार देंगे पश्चिम चम्पारण को 182 करोड़ की सौगात

» 161 योजनाओं का होगा शिलान्यास और उद्घाटन

बीएनएम @ बेतिया

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की महत्वाकांक्षी 'समृद्धि यात्रा' के अंतर्गत पश्चिम चम्पारण जिले के विकास को एक नई गति मिलने जा रही है। इस यात्रा के दौरान जिले को 182 करोड़ से अधिक की कुल लागत वाली योजनाओं का उपहार मिलेगा, जिसमें 153 करोड़ की 125 योजनाओं का शिलान्यास और 29 करोड़ की 36 योजनाओं का उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री के कर-कमलों द्वारा किया जाएगा। मुख्यमंत्री के इस कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। आयोजन का मुख्य केंद्र 'सुशासन से समृद्धि' की परिकल्पना है, जिसके तहत विकास कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए किसान मेला-सह-यांत्रिकीकरण प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया जाएगा।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मुख्यमंत्री सुबह 11:30 बजे चनपटिया प्रखंड के कुमारबाग औद्योगिक क्षेत्र पहुँचेंगे, जहाँ वे विभिन्न औद्योगिक इकाइयों और प्लांटों का निरीक्षण करेंगे। इसके पश्चात, दोपहर 12:15 बजे बेतिया के रमना मैदान में वे जनसंवाद कार्यक्रम और जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में भाग लेंगे। इस दौरान वे स्थानीय जनप्रतिनिधियों से संवाद करेंगे और प्रगति यात्रा की घोषणाओं के क्रियान्वयन का जायजा लेंगे। जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह ने बताया कि सुरक्षा, स्वास्थ्य और यातायात के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं ताकि आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। यह यात्रा न केवल पश्चिम चम्पारण के बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगी, बल्कि औद्योगिक विकास और कृषि आधुनिकीकरण के माध्यम से जिले के समग्र विकास के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी।

एबीवीपी अरेराज ने भेलानारी के बच्चों संग मनाई मकर संक्रांति

बीएनएम @ अरेराज

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अरेराज इकाई द्वारा चलाए जा रहे साप्ताहिक कार्यक्रम के अंतर्गत मकर संक्रांति के पावन अवसर पर उत्क्रमित मध्य विद्यालय भेलानारी में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस गौरवमयी अवसर पर परिषद के कार्यकर्ताओं ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं के बीच मकर संक्रांति का पारंपरिक प्रसाद, लाई और तिलकुट वितरित कर त्योहार की खुशियां साझा कीं। यह पूरा कार्यक्रम विद्यालय के प्रधानाध्यापक मदन मोहन शास्त्री की गरिमामयी उपस्थिति और देखरेख में संपन्न हुआ। इस सेवा भाव से ओत-प्रोत कार्य का सफल नेतृत्व नगर मंत्री दीपक कुमार,आशु पांडे, अध्यक्ष राजन कुमार और सचिव रमन सिंह ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम के दौरान उपाध्यक्ष सुमित मिश्रा, कृष्णा सिंह, और कृष्णा ठाकुर, अर्जुन मिश्रा सहित परिषद के कई ऊर्जावान कार्यकर्ता सक्रिय रूप से मौजूद रहे। विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने विद्यार्थी परिषद की इस सराहनीय पहल का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से स्कूली बच्चों में अपनी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति न केवल जागरूकता बढ़ती है, बल्कि उनमें उत्साह का संचार भी होता है। परिषद के सदस्यों ने इस मौके पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि उनके साप्ताहिक कार्यक्रम का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक समरसता और सेवा की भावना से जोड़ना है। कार्यकर्ताओं के इस प्रयास की स्थानीय स्तर पर काफी प्रशंसा की जा रही है, क्योंकि छोटे-छोटे बच्चों के साथ त्योहार मनाकर परिषद ने समाज में एक सकारात्मक संदेश देने का कार्य किया है।

पीएचडी नामांकन में देरी से राज्य की शोध संस्कृति पर मंडराया खतरा

» मगध और मिथिला यूनिवर्सिटी सहित कई संस्थानों में रिसर्च सिस्टम ठप

बीएनएम @ पटना

बिहार के पारंपरिक विश्वविद्यालयों में स्नातक और स्नातकोत्तर सत्रों में सुधार के बावजूद उच्च शिक्षा का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ, पीएचडी (PhD) कार्यक्रम, गंभीर संकट के दौर से गुजर रहा है। राज्य के अधिकांश विश्वविद्यालयों में शोध कार्य और नामांकन प्रक्रिया एक से तीन साल तक की देरी से चल रही है। पटना विश्वविद्यालय और भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय को छोड़ दें, तो शेष संस्थानों की स्थिति चिंताजनक है। मुंगेर, तिलका मांझी भागलपुर और जय प्रकाश विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों में सत्र दो साल पीछे हैं, वहीं ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, मगध और पूर्णिया विश्वविद्यालय में शोध कार्य तीन साल की देरी से चल रहे हैं। इन विश्वविद्यालयों में अंतिम बार 2022-23 सत्र की परीक्षाएं 2025 में आयोजित की गईं, जिसके बाद से शैक्षणिक कैलेंडर पूरी तरह ठप पड़ा है।समस्या केवल परीक्षाओं की देरी तक सीमित नहीं है; कई विश्वविद्यालयों ने 2025 में आनन-फानन में प्री-पीएचडी टेस्ट तो आयोजित कर लिए, लेकिन नामांकन और शोध कार्य अब तक शुरू नहीं हो सके हैं। आंकड़ों के अनुसार, 2021-22 में पीएचडी नामांकन की संख्या 5,574 थी, लेकिन सत्रों की अनियमितता के कारण भविष्य में इसमें भारी गिरावट की आशंका है। शैक्षणिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समयबद्ध अकादमिक कैलेंडर और नियमित प्रवेश परीक्षाओं की व्यवस्था नहीं की गई, तो बिहार के मेधावी छात्र शोध के लिए दूसरे राज्यों का रुख करने को मजबूर होंगे। यह न केवल राज्य की शोध संस्कृति को कमजोर कर रहा है, बल्कि बिहार की बौद्धिक साख पर भी प्रश्नचिह्न लगा रहा है। उच्च शिक्षा विभाग और कुलपतियों के बीच समन्वय की कमी इस विलंब का मुख्य कारण मानी जा रही है, जिसका खामियाजा हजारों शोधार्थियों को भुगतना पड़ रहा है।

तेंदुए ने दो मवेशियों को बनाया शिकार

बीएनएम @ बगहा

» दहशत में ग्रामीण रात भर कर रहे जागरण

वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (VTR) के मदनपुर वन क्षेत्र से भटकर एक तेंदुआ पिछले एक सप्ताह से पिपरासी थाना क्षेत्र के दियारा इलाकों में विचरण कर रहा है, जिससे स्थानीय ग्रामीणों में भारी दहशत है। बउक बैठा गांव के समीप डेरा जमाए इस तेंदुए ने अब तक दो भैंस के बच्चों को अपना शिकार बना लिया है। पशुपालकों के अनुसार, तेंदुआ रात के समय बथानों पर हमला कर रहा है, जिसके कारण किसान रात भर आग जलाकर जागरण करने को मजबूर हैं।घटना की सूचना मिलने पर बगहा वन क्षेत्र की टीम पिंजरा (गेज) लेकर मौके पर पहुँची है। वनकर्मियों को तेंदुए के पग मार्ग मिले हैं, जिनके आधार पर उसकी लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। हालांकि, तेंदुआ काफी शातिर होने के कारण अब तक पिंजरे में नहीं फंसा है। पीड़ित किसान झपसी यादव ने इस संबंध में वन कार्यालय को लिखित आवेदन देकर मुआवजे और सुरक्षा की गुहार लगाई है।वीटीआर के निदेशक डॉ. नेशामनी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए वनकर्मियों को कड़ी निगरानी के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुरक्षा में लापरवाही बरतने वाले कर्मियों पर कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, वन विभाग तेंदुए को सुरक्षित पकड़कर वापस जंगल में छोड़ने के प्रयास में जुटा है, जबकि तेंदुए के डर से किसानों ने खेतों की रखवाली करना छोड़ दिया है।

उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी और कांग्रेस में बड़ी टूट के संकेत

» भाजपा को पीछे छोड़ने की तैयारी में जदयू

बीएनएम @ पटना

बिहार की राजनीति इस वक्त एक निर्णायक मोड़ पर है, जहाँ संख्या बल का गणित सत्ता के समीकरणों को तेज़ी से बदल रहा है। 2025 के विधानसभा चुनाव में भाजपा (89 सीटें) सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी, लेकिन अब जदयू (85 सीटें) द्वारा कांग्रेस के सभी 6 विधायकों को अपने पाले में लाने की चर्चाओं ने हलचल तेज़ कर दी है। यदि यह दलबदल होता है, तो जदयू 91 सीटों के साथ भाजपा को पीछे छोड़ते हुए सदन की सबसे बड़ी पार्टी बन जाएगी। यह बदलाव केवल प्रतीकात्मक नहीं होगा, बल्कि एनडीए के भीतर सत्ता संतुलन को भी प्रभावित करेगा।भाजपा इस संभावित नुकसान को भांपते हुए सतर्क है और वह भी सियासी जोड़-तोड़ में पीछे नहीं है। उसकी नज़र राष्ट्रीय लोक मोर्चा (उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी) के असंतुष्ट विधायकों पर है, जो अपने नेता द्वारा पुत्र को कैबिनेट मंत्री बनाए जाने से नाराज़ बताए जा रहे हैं। चर्चा है कि इस पार्टी के चार में से तीन विधायक भाजपा के संपर्क में हैं। दूसरी ओर, पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह की जदयू में संभावित वापसी और हाल ही में एक कुर्मी सम्मेलन में नीतीश कुमार के साथ उनकी उपस्थिति ने संकेत दिया है कि जदयू अपनी सांगठनिक और सामाजिक पकड़ को पुनः मज़बूत करने में जुटी है। कुल मिलाकर, बिहार की सियासत में कांग्रेस के लिए यह अस्तित्व का संकट है, जबकि भाजपा और जदयू के बीच सबसे बड़े दल बनने की होड़ ने राजनीतिक तापमान को चरम पर पहुँचा दिया है।

असमाजिक तत्वों ने उखाड़ी 15 वीं वित्त आयोग की सोलिंग सड़क, घोड़ासहन में ग्रामीण नाराज

बीएनएम @ घोड़ासाहन @ विक्की विजेंद्र

पूर्वी चम्पारण के घोड़ासहन प्रखंड के श्रीपुर पंचायत के भोरहर गांव वार्ड नंबर 2 में असमाजिक तत्वों ने सरकारी सोलिंग सड़क को उखाड़ फेंका है। 15वीं वित्त आयोग के तहत बनी इस सड़क की ईंटें गायब कर दी गईं, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी (बीपीआरओ) ने स्थलीय जांच कराई और थाने, डीएसपी व एसडीओ को कार्रवाई के लिए पत्र भेजा है। घटना की जानकारी देते हुए बीपीआरओ घोड़ासहन संतोष कुमार ने 12 जनवरी 2026 को जारी पत्र में बताया कि श्रीपुर पंचायत के वार्ड-2 के निवासियों ने शिकायत दर्ज कराई थी। पंचायत सचिव व तकनीकी सहायक ने मौके पर जांच की, जिसमें पुष्टि हुई कि सोलिंग सड़क को असमाजिक तत्वों ने पूरी तरह उखाड़ लिया है। ईंटें मौके से गायब हैं, जो सरकारी संपत्ति के साथ छेड़छाड़ का स्पष्ट मामला है। प्रतिवेदन के अनुसार, स्थलीय जांच 12 जनवरी को ही पूरी हुई और कार्रवाई की मांग की गई है।पत्र की प्रतिलिपि घोड़ासहन थानाध्यक्ष, सिकरहना डीएसपी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सिकरहना, अनुमंडल पदाधिकारी सिकरहना तथा जिला पंचायत राज पदाधिकारी पूर्वी चम्पारण को भेजी गई है। ग्रामीणों की ओर से आवेदन किया था। ग्रामीणों का कहना है कि यह सड़क उनके दैनिक आवागमन का प्रमुख साधन थी। उखाड़े जाने से अब कीचड़ भरी राहों पर चलना पड़ रहा है, खासकर मानसून में स्थिति और खराब हो जाएगी। एक ग्रामीण ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, "हमने पैसे और मेहनत से सड़क बनवाई, लेकिन असमाजिक लोग इसे बर्बाद कर रहे हैं। पुलिस जल्द गिरफ्तारी करे। "

इसी तरह, वार्ड सदस्यों ने चेतावनी दी कि ऐसी घटनाएं दोहराई गईं तो आंदोलन करेंगे।यह मामला सरकारी योजनाओं पर असमाजिक तत्वों के बढ़ते अतिक्रमण को उजागर करता है। पूर्वी चम्पारण में पहले भी ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जहां पंचायत सड़कें चोरी या तोड़फोड़ का शिकार हुईं। जिला प्रशासन ने अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया, लेकिन सिकरहना अनुमंडल स्तर पर जांच तेज कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज और गवाहों से छानबीन की जा रही है। दोषी के विरुद्ध, CrPC की धारा 379 (चोरी) और 427 (संपत्ति को नुकसान) के तहत कार्रवाई होगी। ईधर बीपीआरओ ने बताया कि किया है कि विधिनुसार तत्काल कार्रवाई की जाएगी। दोषियों पाए जाने वाले पर प्राथमिकी दर्ज कराने का आदेश दिया गया है।

भारतीय अर्थव्यवस्था की मूलभूत कमजोरी

ज्यादा चिंता का पहलू निजी उपभोग की वृद्धि दर में गिरावट है। यानी इनकम टैक्स की छूट सीमा 12 लाख रुपये करने, जीएसटी दरों का नया ढांचा लागू करने, और मुद्रास्फीति कम रहने के बावजूद निजी उपभोग में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं हुई। केंद्र ने अपने पहले वार्षिक अनुमान में कहा है कि 2025-26 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7.4 रहेगी। वैसे, अंतिम आंकड़े मई में जाकर मालूम होंगे, फिर भी ताजा अनुमान महत्त्वपूर्ण है। इसलिए कि इन आंकड़ों को ही आधार बना कर वित्त मंत्री अगला बजट पेश करेंगी। शीर्षक के मुताबिक इस वर्ष जीडीपी की वास्तविक वृद्धि दर खासा मजबूत रहने वाली है। मगर इसमें कई पेच हैं। बेशक, वास्तविक वृद्धि दर पिछले साल के 6.5 प्रतिशत से 0.9 फीसदी ज्यादा है, मगर चालू वर्ष में कुल (नोमिनल) वृद्धि दर महज 8 प्रतिशत रहेगी, जो पिछले साल से 1.8 प्रतिशत कम है। मतलब मुद्रास्फीति की कम दर के कारण वास्तविक वृद्धि दर ऊंची नजर आती है। नोमिनल वृद्ध दर गिरने का परिणाम टैक्स की कम वसूली के रूप में सामने आएगा। उससे राजकोष दबाव में आएगा, हालांकि मुमकिन है कि रिजर्व बैंक से मिलने वाले डिविडेंड और विनिवेश से प्राप्त राजस्व के कारण यह खुल कर ना जाहिर हो। वैसे ज्यादा चिंता का पहलू निजी उपभोग की वृद्धि दर में गिरावट है। बीते साल के 7.2 फीसदी की तुलना में इस वर्ष यह सात प्रतिशत रहेगी। यानी इनकम टैक्स की छूट सीमा 12 लाख रुपये करने, जीएसटी दरों का नया ढांचा लागू करने, और मुद्रास्फीति कम रहने के बावजूद निजी उपभोग में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं हुई। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की मूलभूत कमजोरी को जाहिर करता है। यह बताता है कि जमीनी स्तर पर आमदनी और बचत की स्थिति और कमजोर है। कृषि क्षेत्र में वृद्धि दर गिरने का अनुमान लगाया गया है। उसका असर ग्रामीण आय एवं उपभोग पर पड़ेगा। इस स्थिति में निजी निवेश बढ़ने की गुंजाइश अगले साल भी नहीं बनेगी। इस बीच अमेरिकी टैरिफ और अन्य प्रतिकूल अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों का असर अर्थव्यवस्था पर दिखने लगा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इस वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में वृद्धि दर 8 प्रतिशत रही, जबकि बाकी छह महीनों में इसके 6.9 फीसदी ही रहने का अनुमान है।

'भजन-राज' यानी 'भरोसे के शासन' में राजस्थान के नये आयाम

ललित गर्ग

राजस्थान की राजनीति में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का हालिया दौरा किसी औपचारिक कार्यक्रम या शिष्टाचार भर तक सीमित नहीं था, वह एक स्पष्ट राजनीतिक संकेत, एक भरोसे की सार्वजनिक मुहर और एक स्थायित्व का उद्घोष था। जाते-जाते मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पीठ थपथपाकर अमित शाह ने यह जता दिया कि प्रदेश की कमान अब पूरी तरह ऐसे नेतृत्व के हाथों में है, जिस पर केंद्रीय आलाकमान को केवल विश्वास ही नहीं, बल्कि गहरा संतोष भी है। जिसे कभी राजनीतिक गलियारों में 'सरप्राइज पैकेज' कहकर देखा गया था, वही नेतृत्व आज राजस्थान की स्थिरता, सुशासन और भविष्य की ठोस नींव के रूप में स्थापित हो चुका है और राजस्थान की स्वर्णगाथा लिखने को तत्पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीति का एक विशिष्ट और लगातार सफल रहा प्रयोग यह रहा है कि वे सत्ता और संगठन में नए चेहरों को निर्णायक जिम्मेदारियां सौंपने से नहीं हिचकते। पर्दे के पीछे वर्षों तक ईमानदारी और निष्ठा से काम करने वाले कार्यकर्ताओं को अचानक मुख्यमंत्री, उपराष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष या राज्यपाल जैसे पदों पर आसीन करना मोदी की राजनीतिक शैली का साहसिक पक्ष रहा है। इन निर्णयों ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि राजनीति में अनुभव के साथ-साथ चरित्र, प्रतिबद्धता और संगठन के प्रति निष्ठा भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। राजस्थान में भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाना भी ऐसा ही एक निर्णय था, जिसने आरंभ में अनेक लोगों को आश्चर्य में डाला। किंतु समय ने सिद्ध कर दिया कि यह निर्णय भावनात्मक नहीं, बल्कि गहरी राजनीतिक समझ और दूरदृष्टि पर आधारित था। मुख्यमंत्री पद संभालते ही भजनलाल शर्मा ने यह साफ कर दिया कि वे सत्ता को साधन मानते हैं, साध्य नहीं। उनका एजेंडा कुर्सी बचाने का नहीं, बल्कि व्यवस्था बदलने का है। राजस्थान लंबे समय तक गुटीय राजनीति, शक्ति-संतुलन और पर्दे के पीछे चलने वाले समीकरणों से जूझता रहा है। सत्ता के भीतर ही सत्ता को चुनौती देने वाली प्रवृत्तियां यहां सामान्य रही हैं। भजनलाल शर्मा ने बिना किसी टकराव, बिना शोर-शराबे और बिना किसी को अपमानित किए, इन सभी प्रवृत्तियों को धीरे-धीरे अप्रासंगिक कर दिया। उन्होंने शासन को व्यक्ति-केंद्रित नहीं, बल्कि प्रणाली-केंद्रित बनाया। यही कारण है कि आज निर्णय तेजी से होते हैं, उन पर अमल भी होता है और उनकी जवाबदेही भी तय होती है। उनकी कार्यशैली की सबसे बड़ी पहचान 'जीरो टॉलरेंस' की नीति है, जो केवल कागजों या भाषणों तक सीमित नहीं रही। विशेष रूप से पेपर लीक माफिया के खिलाफ की गई कार्रवाई ने सरकार की मंशा और मुख्यमंत्री के साहस को स्पष्ट रूप से उजागर किया। वर्षों से यह माफिया लाखों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करता रहा, लेकिन राजनीतिक संरक्षण के चलते उस पर हाथ डालने का साहस कोई नहीं कर पाया। भजनलाल शर्मा ने सत्ता संभालते ही इस समस्या को जड़ से समाप्त करने का संकल्प लिया। एसआईटी के गठन, त्वरित जांच, बड़े नामों की गिरफ्तारी और बिना किसी दबाव के निष्पक्ष कार्रवाई ने यह सिद्ध कर दिया कि यह सरकार केवल घोषणाओं में नहीं, परिणामों में विश्वास रखती है। इससे न केवल युवाओं का भरोसा लौटा, बल्कि यह संदेश भी गया कि अब राजस्थान में कानून से बड़ा कोई नहीं है। इसी प्रकार, दशकों से प्यास से जूझ रहे राजस्थान के लिए ईआरसीपी परियोजना पर मध्य प्रदेश के साथ हुआ ऐतिहासिक समझौता मुख्यमंत्री की राजनीतिक परिपक्वता और संवाद क्षमता का प्रमाण है। जिस योजना को वर्षों तक केवल चुनावी वादों और फाइलों में उलझाकर रखा गया था, उसे उन्होंने केंद्र सरकार के सहयोग और पड़ोसी राज्य के साथ सकारात्मक संवाद के जरिए वास्तविकता में बदलने का मार्ग प्रशस्त किया। यह निर्णय बताता है कि भजनलाल शर्मा टकराव की राजनीति के बजाय समाधान की राजनीति में विश्वास रखते हैं। कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर भी उनकी सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि अपराध और अपराधियों के लिए अब कोई नरमी नहीं है। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन, संगठित अपराध के खिलाफ सख्त कार्रवाई और अपराधियों में कानून का भय-ये सभी कदम इस बात के प्रमाण हैं कि राज्य में सत्ता का इकबाल लौट रहा है। आम नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस कर रहा है और अपराधी खुद को असुरक्षित। यह सुशासन का सबसे ठोस संकेत होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'विकसित भारत' की संकल्पना को राजस्थान में जमीन पर उतारने में भी मुख्यमंत्री की सक्रियता स्पष्ट दिखाई देती है। अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक शासन की योजनाएं पहुंचें, यह केवल नारा नहीं, बल्कि प्रशासनिक प्राथमिकता बनी है। फैसलों में स्पष्टता, गति और निष्पक्षता-इन तीनों का संतुलन उनकी कार्यशैली को विशिष्ट बनाता है। यही कारण है कि विपक्ष भी आज ठोस आलोचना के बिंदु खोजने में असहज नजर आता है। भजनलाल शर्मा के शासन की चर्चा करते समय उनके चारित्रिक और व्यक्तिगत गुणों का उल्लेख अत्यंत आवश्यक है। राजनीति में जहां दिखावा, आडंबर और अहंकार आम बात हो चली है, वहीं भजनलाल शर्मा अपनी सरलता, सहजता और सादगीपूर्ण जीवनशैली के लिए पहचाने जाते हैं। सत्ता में आने के बाद भी उनके व्यवहार, भाषा और जीवन-शैली में कोई कृत्रिम बदलाव नहीं आया। वे निर्णय लेते समय दृढ़ होते हैं, लेकिन संवाद में विनम्र रहते हैं। उनका राजनीतिक कौशल शोर में नहीं, बल्कि परिणामों में दिखाई देता है। वे जानते हैं कि कब कठोर होना है और कब संयम रखना है। यही संतुलन उन्हें भीड़ से अलग करता है। संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, कार्यकर्ताओं के प्रति सम्मान और जनता के प्रति उत्तरदायित्व-ये सभी गुण उनके नेतृत्व को नैतिक आधार प्रदान करते हैं। राजस्थान के अब तक के मुख्यमंत्रियों का शासन बहुआयामी अनुभवों से भरा रहा है, जिसमें प्रशासनिक दक्षता, सामाजिक न्याय, विकासात्मक प्राथमिकताओं और राजनीतिक स्थिरता-इन सभी के विविध रूप देखने को मिलते हैं। हीरालाल शास्त्री और जय नारायण व्यास जैसे प्रारंभिक मुख्यमंत्रियों ने लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रशासनिक ढांचे की नींव रखी। मोहनलाल सुखाड़िया का दीर्घकालीन शासन सिंचाई, पंचायतीराज और सामाजिक सुधारों के लिए स्मरणीय रहा, जिसे 'आधुनिक राजस्थान' की आधारशिला माना जाता है। बाद के वर्षों में हरिदेव जोशी, शिवचरण माथुर और अशोक गहलोत ने कल्याणकारी योजनाओं, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा-स्वास्थ्य और विकेंद्रीकरण पर बल दिया, जबकि भैरोंसिंह शेखावत और वसुंधरा राजे के शासन में आधारभूत संरचना, औद्योगिक निवेश, सड़क-बिजली और प्रशासनिक सख्ती पर अधिक जोर दिखा। इन सबके तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में भजनलाल शर्मा का शासन अपेक्षाकृत नया होते हुए भी "सुशासन, अनुशासन और डिलीवरी" के संकल्प के साथ आगे बढ़ता दिखाई देता है। उनका फोकस प्रशासनिक चुस्ती, कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण, केंद्र-राज्य समन्वय और योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन पर है। पूर्ववर्ती मुख्यमंत्रियों के शासन जहाँ दीर्घ अनुभव और स्थापित नीतिगत पहचान के लिए जाने जाते हैं, वहीं भजनलाल शर्मा का शासन अपेक्षाओं, परिणामोन्मुखी कार्यसंस्कृति और नई कार्यशैली के परीक्षण के दौर में है। इस प्रकार राजस्थान की राजनीति में उनका कार्यकाल परंपरा और परिवर्तन-दोनों के बीच एक सेतु की तरह देखा जा सकता है, जहाँ पूर्व शासनों की उपलब्धियों से सीख लेकर भविष्य के लिए अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी शासन मॉडल गढ़ने का प्रयास परिलक्षित होता है। आज राजस्थान में 'भजन राज' का अर्थ केवल सत्ता का संचालन नहीं, बल्कि भरोसे का शासन है। ऐसा शासन, जहां कार्यकर्ता खुद को गौरवान्वित महसूस करता है और आम नागरिक खुद को सुरक्षित। केंद्रीय आलाकमान की खुली छूट और अमित शाह की पीठ थपथपाहट ने मुख्यमंत्री को और अधिक ऊर्जा के साथ काम करने का संबल दिया है। यह संकेत साफ है कि भजनलाल शर्मा अब केवल एक प्रयोग नहीं, बल्कि एक स्थापित, विश्वसनीय और सक्षम नेतृत्व के रूप में स्वीकार किए जा चुके हैं। जो लोग अब भी किसी बड़े बदलाव या सत्ता-समीकरण के इंतजार में हैं, उन्हें यह समझ लेना चाहिए कि भजनलाल शर्मा का नेतृत्व कोई संयोग नहीं, बल्कि राजस्थान को एक स्थिर, सुशासित और स्वर्णिम भविष्य की ओर ले जाने वाला सुविचारित संकल्प है। वे केंद्रीय नेतृत्व की कसौटी पर 24 कैरेट खरा उतरने के लिए प्रतिबद्ध हैं और उनके अब तक के कार्य इस प्रतिबद्धता की ठोस गवाही देते हैं।

ग्रामीण स्कूलों में शिक्षिकाओं की कमी

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत में शिक्षा की गुणवत्ता और समानता हमेशा से एक चुनौती रही है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच, संसाधनों, शिक्षक उपलब्धता और शिक्षा के अवसरों में व्यापक अंतर दिखाई देता है। इस असमानता का सबसे स्पष्ट उदाहरण प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की तैनाती और लिंग संतुलन में देखा जा सकता है। शहरों के प्राथमिक स्कूलों में अक्सर 10 से 18 शिक्षक तैनात होते हैं, जिनमें अधिकांश महिलाएं होती हैं। वहीं, ग्रामीण क्षेत्र के प्राथमिक स्कूलों में औसतन 3–4 शिक्षक ही होते हैं और उनमें से एक भी महिला नहीं होती। यही वह असमानता है, जो न केवल शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित करती है बल्कि समाज में लिंग समानता की दिशा में भी बड़ी बाधा बनती है। भारत में शिक्षक भर्ती में महिलाओं के लिए 50% आरक्षण का प्रावधान है। यह कानून स्पष्ट रूप से महिलाओं को समान अवसर देने की दिशा में उठाया गया कदम है। लेकिन सवाल यह उठता है कि जब भर्ती में आरक्षण है, तो पोस्टिंग में यह क्यों लागू नहीं होता? ग्रामीण क्षेत्र में पुरुष शिक्षकों की तैनाती क्यों अधिक होती है और महिलाओं को वहां सेवा देने के लिए क्यों नहीं प्रोत्साहित किया जाता? इसका उत्तर जटिल है। सबसे पहले, सुरक्षा और सुविधाओं की कमी एक बड़ा कारण है। सुदूर और दूर-दराज के गांवों में रहने की सुविधा सीमित होती है। कई महिला शिक्षक वहां तैनाती के लिए अनिच्छुक रहती हैं। परिवहन की समस्या, सुरक्षित आवास की कमी, सामाजिक और पारिवारिक प्रतिबंध जैसे कारक भी उनके निर्णय को प्रभावित करते हैं। दूसरी ओर, सरकारी नीतियाँ इस असमानता को सीधे संबोधित नहीं करती हैं। भर्ती में आरक्षण को तो लागू किया जाता है, लेकिन पोस्टिंग में "इच्छा" और "सुविधा" को प्राथमिकता दी जाती है। परिणामस्वरूप, ग्रामीण क्षेत्रों में पुरुष शिक्षकों की संख्या अधिक रहती है। यही वह दोहरा मापदंड है, जो महिलाओं के समानता के अधिकारों और शिक्षा के मूल सिद्धांत के खिलाफ जाता है। सामाजिक दृष्टि से यह असमानता और भी चिंताजनक है। महिला शिक्षक केवल शैक्षिक कर्तव्य नहीं निभाती हैं; वे बच्चों के लिए रोल मॉडल होती हैं। विशेष रूप से लड़कियों के लिए, महिला शिक्षक शिक्षा में प्रेरणा और विश्वास का स्रोत होती हैं। ग्रामीण स्कूलों में महिला शिक्षकों की अनुपस्थिति का मतलब है कि लड़कियां उच्च शिक्षा और करियर के विकल्पों के प्रति प्रेरित नहीं हो पातीं। इसके अलावा, शिक्षकों की संख्या और लिंग संतुलन का प्रभाव बच्चों की सीखने की क्षमता पर भी पड़ता है। शोधों से पता चलता है कि लिंग संतुलन वाले कक्षा वातावरण में बच्चों की सामाजिक और भावनात्मक विकास बेहतर होता है। वे सहकर्मी सहयोग, समानता की भावना और सामाजिक संवेदनशीलता सीखते हैं। यदि ग्रामीण स्कूलों में केवल पुरुष शिक्षक हैं, तो यह अनुभव बच्चों से छूट जाता है। कानूनी और संवैधानिक दृष्टि से भी यह असमानता चुनौतीपूर्ण है। भारतीय संविधान की धारा 14 और 15 हर नागरिक को समानता का अधिकार देती है और लिंग के आधार पर भेदभाव से बचाती है। भर्ती में 50% आरक्षण तो महिलाओं को समान अवसर देता है, लेकिन पोस्टिंग में इसे नजरअंदाज करना संवैधानिक सिद्धांतों के विपरीत है। यह नीति केवल कानूनी रूप से नहीं बल्कि नैतिक रूप से भी असंगत है। सरकार की इस दोहरी नीति का असर स्पष्ट है। शहरी स्कूलों में महिलाएं भरपूर तैनात हैं, इसलिए 50% आरक्षण दिखाई देता है। वहीं, ग्रामीण स्कूलों में महिला शिक्षकों की कमी, उनके आरक्षण का वास्तविक लाभ न के बराबर कर देती है। यह नीति न केवल ग्रामीण शिक्षा को कमजोर करती है, बल्कि सामाजिक और लैंगिक समानता के मूल सिद्धांत को भी कमजोर करती है। इस असमानता को दूर करने के लिए ठोस कदम जरूरी हैं। महिला शिक्षकों को आकर्षित करने के लिए विशेष भत्ता, सुरक्षित और संरचित आवास, परिवहन सुविधा और स्वास्थ्य सुविधाएँ सुनिश्चित की जानी चाहिए। अगर महिलाओं को सुरक्षा और सुविधा मिलेगी, तो वे ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा देने के लिए अधिक इच्छुक होंगी। भर्ती के साथ-साथ पोस्टिंग नीति में भी महिलाओं का 50% प्रतिनिधित्व अनिवार्य होना चाहिए। इसे लागू करने के लिए सरकार को विशेष निर्देश जारी करने होंगे और तैनाती की निगरानी करनी होगी। स्थानीय समुदाय के सहयोग से महिला शिक्षकों की सेवा को सरल और सुरक्षित बनाया जा सकता है। ग्राम स्तर पर महिला शिक्षकों के लिए सहायता समूह और स्थानीय सुरक्षा नेटवर्क बनाए जा सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्र में सेवा देने वाली महिला शिक्षिकाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम और पेशेवर विकास के अवसर सुनिश्चित करने होंगे। यह उन्हें आत्मनिर्भर बनाएगा और ग्रामीण शिक्षा में उनका योगदान बढ़ाएगा। ग्रामीण समाज में महिलाओं के काम करने के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण बदलना आवश्यक है। महिलाओं की शिक्षा और पेशेवर भूमिका को सम्मान और समर्थन मिलना चाहिए। यदि इन कदमों को अपनाया जाए तो न केवल ग्रामीण स्कूलों में महिला शिक्षकों की कमी दूर होगी, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता और बच्चों के विकास पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। यह नीति ग्रामीण शिक्षा में समानता और गुणवत्ता का संदेश भी भेजेगी। भर्ती में आरक्षण का होना पर्याप्त नहीं है। वास्तविक समानता तभी संभव है जब पोस्टिंग में भी लिंग संतुलन और सुविधा आधारित नीति लागू हो। ग्रामीण क्षेत्रों में केवल पुरुष शिक्षकों की उपस्थिति यह स्पष्ट करती है कि आरक्षण का लाभ महिलाओं तक सही मायने में नहीं पहुँच रहा है। अगर हम चाहते हैं कि भारत की शिक्षा प्रणाली सभी बच्चों के लिए समान अवसर और उच्च गुणवत्ता प्रदान करे, तो यह समय है कि सरकार इस असमानता को दूर करने के लिए स्पष्ट और ठोस नीति सुधार करे।

भारतीय सेनाः युद्धभूमि में अडिग, संकट में राष्ट्र का संबल

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 15 जनवरी को भारतीय सेना दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष हम 78वां सेना दिवस मना रहे हैं। सेना दिवस के अवसर पर पूरा देश थलसेना के अदम्य साहस, जांबाज सैनिकों की वीरता, शौर्य और उसकी शहादत को याद करता है। इस विशेष अवसर पर जवानों के दस्ते और अलग-अलग रेजीमेंट की परेड के अलावा झांकियां भी निकाली जाती हैं और उन सभी बहादुर सेनानियों को सलामी दी जाती है, जिन्होंने देश और लोगों की सलामती के लिए अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। 15 जनवरी को ही यह दिवस मनाए जाने का विशेष कारण यही है कि 1899 में कर्नाटक के कुर्ग में जन्मे लेफ्टिनेंट जनरल केएम करियप्पा आज ही के दिन वर्ष 1949 में भारतीय सेना के पहले कमांडर-इन-चीफ बने थे। उन्होंने 15 जनवरी 1949 को ब्रिटिश जनरल फ्रांसिस बुचर से भारतीय सेना की कमान संभाली थी। जनरल फ्रांसिस बुचर भारत के आखिरी ब्रिटिश कमांडर-इन-चीफ थे।1953 में वे भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हुए और 94 वर्ष की आयु में 1993 में उनका निधन हुआ। केएम करियप्पा दूसरे ऐसे सेना अधिकारी थे, जिन्हें फील्ड मार्शल की उपाधि दी गई थी। भारतीय थल सेना का गठन ईस्ट इंडिया कम्पनी की सैन्य टुकड़ी के रूप में कोलकाता में 1776 में हुआ था, जो बाद में ब्रिटिश भारतीय सेना बनी और देश की आजादी के बाद इसे 'भारतीय थल सेना' नाम दिया गया। भारतीय सेना की 53 छावनियां और 9 आर्मी बेस हैं और चीन तथा अमेरिका के साथ भारतीय सेना दुनिया की तीन सबसे बड़ी सेनाओं में शामिल है। हमारी सेना संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में सबसे बड़ी योगदानकर्ताओं में से एक है। यह दुनिया की कुछेक ऐसी सेनाओं में से एक है, जिसने कभी भी अपनी ओर से युद्ध की शुरूआत नहीं की। भारतीय सेना के ध्वज का बैकग्राउंड लाल रंग का है, ऊपर बायीं ओर तिरंगा झंडा, दायीं ओर भारत का राष्ट्रीय चिह्न और तलवार हैं। सेना दिवस के अवसर पर सेना प्रमुख को सलामी दी जाती रही है लेकिन 2020 में पहली बार सेना प्रमुख के स्थान पर देश के प्रथम सीडीएस बने जनरल बिपिन रावत को सलामी दी गई थी। देश की आजादी के बाद भारतीय सेना पांच बड़े युद्ध लड़ चुकी है, जिनमें चार पाकिस्तान के खिलाफ और एक चीन के साथ लड़ा था। देश की आजादी के बाद 1947-48 में हुए भारत-पाक युद्ध को 'कश्मीर युद्ध' नाम से भी जाना जाता है, जिसके बाद कश्मीर का भारत में विलय हुआ था। 1962 में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा धोखे से थाग-ला-रिज पर भारतीय सेना पर हमला बोल दिया गया था। उस जमाने में भातीय सेना के पास स्वचालित और आधुनिक हथियार नहीं होते थे, इसलिए चीन को रणनीतिक बढ़त मिली थी। 1965 के भारत-पाक युद्ध के बाद 1971 में भारतीय सेना ने पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी थी। 13 दिनों तक चले उस युद्ध के बाद ही पाकिस्तान के टुकड़े कर बांग्लादेश का जन्म हुआ और पाकिस्तानी जनरल नियाजी के साथ 90 हजार पाक सैनिकों ने जांबाज भारतीय सेना के समक्ष हथियार डाल दिए थे। मई से जुलाई 1999 तक चले कारगिल युद्ध में तो भारतीय सेना ने पाकिस्तान को छठी का दूध याद दिला दिया था। आज पूरी दुनिया भारतीय सेना का लोहा मानती है। आधुनिक हथियारों और प्रौद्योगिकी के साथ भारतीय सेना एक विश्वस्तरीय सेना है। सेना दिवस के महत्वपूर्ण अवसर पर चीन द्वारा वर्तमान में लगातार पेश की जा रही चुनौतियों के दौर में भारतीय सेना की निरन्तर बढ़ती ताकत का उल्लेख करना बेहद जरूरी है।

2025 की 'ग्लोबल फायरपावर रिपोर्ट' के अनुसार भारतीय सेना की गिनती दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेनाओं में की जाती है। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय थल सेना के जखीरे में कई तरह के आधुनिक हथियार शामिल हैं, जिनमें आधुनिक टैंकों के साथ बैलिस्टिक मिसाइलें भी हैं। भारत की थल सेना के पास चार हजार से अधिक टैंक हैं। इसके अलावा भारतीय सेना के जखीरे में एक लाख से अधिक आर्म्ड व्हीकल भी शामिल हैं। थल सेना के पास 100 सेल्फ प्रोपेल्ड आर्टिलरी, 3300 हल्की आर्टिलरी भी हैं तथा थल सेना के बेड़े में करीब 1500 रॉकेट आर्टिलरी भी शामिल हैं। भारतीय सैन्यबल में 14.45 लाख सक्रिय सैन्यकर्मी हैं, जो दुनिया में दूसरे नंबर पर है। सेना में 12 लाख से ज्यादा आरक्षित बल तथा बीस लाख अर्धसैनिक बल हैं। भारतीय थलसेना में 4600 से ज्यादा टैंक टी-72, टी-90, अर्जुन एमके-1, अर्जुन एमके-2 इत्यादि टैंक, 5 हजार से ज्यादा तोपें, 290 स्वचालित तोपें, 290 से ज्यादा रॉकेट तोपें तथा 8600 बख्तरबंद वाहन शमिल हैं। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय थलसेना हर परिस्थिति में चीनी सेना से बेहतर और अनुभवी है, जिसके पास युद्ध का बड़ा अनुभव है, जो कि विश्व में शायद ही किसी अन्य देश के पास हो। भले ही चीन के पास भारत से ज्यादा बड़ी सेना और सैन्य साजो-सामान है लेकिन आज के परिप्रेक्ष्य में दुनिया में किसी के लिए भी इस तथ्य को नजरअंदाज करना संभव नहीं हो सकता कि भारत की सेना को अब धरती पर दुनिया की सबसे खतरनाक सेना माना जाता है और सेना के विभिन्न अंगों के पास ऐसे-ऐसे खतरनाक हथियार हैं, जो चीनी सेना के पास भी नहीं हैं। धरती पर लड़ी जाने वाली लड़ाईयों के लिए भारतीय सेना की गिनती दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सेनाओं में होती है और कहा जाता है कि अगर किसी सेना में अंग्रेज अधिकारी, अमेरिकी हथियार और भारतीय सैनिक हों तो उस सेना को युद्ध के मैदान में हराना असंभव होगा। जापान के एक आकलन के मुताबिक भारतीय थलसेना चीन के मुकाबले ज्यादा मजबूत है। इस रिपोर्ट के अनुसार हिन्द महासागर के मध्य में होने के कारण भारत की रणनीतिक स्थिति बेहद महत्वपूर्ण है और दक्षिण एशिया में अब भारत का काफी प्रभाव है। अमेरिकी न्यूज वेबसाइट सीएनएन की एक रिपोर्ट में भी दावा किया जा चुका है कि भारत की ताकत पहले के मुकाबले बहुत ज्यादा बढ़ गई है और युद्ध की स्थिति में भारत का पलड़ा भारी रह सकता है।

मेष राशि – दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज भाई या बहन से आपकी फोन पर बात होगी, जिससे आपको अच्छा लगेगा। दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। महिलाएं आज ऑनलाइन नयी डिश सीखने की कोशिश करेंगी। पिता का सहयोग आपके साथ रहेगा। लेखकों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है, उनके लेखन कार्यों की सराहना होगी।

वृष राशि– आज आपका बिजनेस अच्छा चलेगा आपके लिए आज का दिन शुभ है। आज आप कामकाज निपटाने में बहुत हद तक सफल रहेंगे। अपनी तरफ से हर मामले पर आपको सकारात्मक रहना होगा। आज किसी पुरानी समस्याओं पर दोस्तों से बातचीत होगी, इससे आपको अच्छा समाधान मिलेगा। आपकी सलाह से दूसरों को फायदा होगा। आज आपको नए इनकम सोर्स मिल सकते हैं।

मिथुन राशि – आज समय से सारी जिम्मेदारियां पूरी करेंगे आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज किसी नए काम को शुरू करने से पहले पूरी योजना बनाएंगे और साथ ही माता-पिता से सलाह लेंगे। आज सरकारी कामों में नीति व नियमों पर पूरा ध्यान देंगे तो आपको काम करने में आसानी होगी। आज आपको किसी मामलों में जल्दबाजी दिखाने से बचना होगा।

कर्क राशि – आज परिवार के कामों में आपका पैसा लगेगा आज का दिन आपके लिए आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करें। आज पुरानी देनदारी निपटा सकते हैं। आज जीवनसाथी की भावनाओं को समझने में बहुत हद तक आपको सफलता मिल सकती है। आज परिवार के कामों में आपका पैसा लगेगा।

सिंह राशि– अनुभवी लोगों से राय लेना रहेगा फायदेमंद आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपके कोर्ट-कचहरी के मामले कुछ समय के लिए रुक सकते है, लेकिन समय रहते सब ठीक होगा। आज आपको किसी दोस्त का सहयोग मिलेगा। परिवार वालों का हंसी-मजाक भरा बरताव घर के वातावरण को और खुशनुमा बनायेगा।

कन्या राशि – आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आपको किसी के मामलों में दखल देने से बचना चाहिए। किसी बड़े प्रोजेक्ट में पैसा लगाने की सोच रहे हैं, तो पहले किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह जरूर ले। आज आपके ऊपर परिवार की कुछ जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, जिन्हें आप पूरा करेंगे।

तुला राशि – आप नए सिरे से कोशिश करेंगे तो आप सफल हो सकते हैं आज का दिन आपके लिए अच्छा होने वाला है। आज धार्मिक गतिविधि में शामिल होने के योग बन रहे हैं। आज किसी मामले में दूसरों के साथ बातचीत या सलाह करने से फायदा होगा। जरूरी काम और रिश्ते के बारे में विचार करेंगे और योजना बनाएंगे। परिवार से जुड़ी समस्या खत्म होने के योग हैं।

वृश्चिक राशि – आज ऑफिस में नई जिम्मेदारी आपको मिलेंगी आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज रोजमर्रा के कामों में आपको ज्यादा समय लग सकता है। आज आपको कारोबार में पैसा लगाने से पहले बड़ो की राय लेना बेहतर साबित होगा। पिता बच्चों की इच्छाएं पूरी करने की कोशिश करेंगे।

धनु राशि– करियर से संबंधित नए अवसर मिलेंगे आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज जो भी काम शुरु करेंगे वे काम समय पर पूरा हो जायेंगे। आपको करियर से संबंधित नए अवसर मिलेंगे। नयें व्यापार को शुरू करने में बड़े भाई का सहयोग मिलेगा। कॉमर्स के विद्यार्थी आज मार्केटिंग को समझने के लिये शिक्षको की सहायता लेंगें, जो आगे चलकर बेहद काम आयेंगी।

मकर राशि– किसी रिश्तेदार से आपको अच्छी खुशखबरी मिलेगी आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज घर के बड़ो की मदद से आपका जरूरी काम पूरा हो जायेगा। किसी रिश्तेदार से आपको अच्छी खुशखबरी मिलेगी। जीवनसाथी आज आपकी हर बात समझने की कोशिश करेंगे, इससे रिश्ते में नयापन आयेगा।

कुंभ राशि – आपको आर्थिक रूप से लाभ मिलेगा आज आपका मन नई उमंगों से भरा रहेगा। सभी आपसे राय लेना चाहेगा। ऑफिस के लोगों में आपका रुतबा बनेगा। किसी विशेष व्यक्ति से आज आपकी बात हो सकती है। आपको आर्थिक रूप से लाभ मिलेगा, धन के नये स्त्रोत प्राप्त होंगे।

मीन राशि – आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा आज आपका दिन शानदार रहेगा। परिवार के सामने आपको अपनी राय रखने का पूरा मौका मिलेगा, आपकी योजना से लोग काफी प्रभावित होंगे। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आप अपने घर का डेकोरेशन फेस्टिवल के अनुसार करेंगे। आपको अपनी वाणी पर संयम बनाये रखना चाहिए।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

शुभमन ने हार के लिए गेंदबाजी को जिम्मेदार बताया

एजेंसी, राजकोट

बीच के ओवरों में नहीं निकाल पाये विकेट

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में 7 विकेट से हार पर निराशा जताते हुए इसके लिए गेंदबाजी को जिम्मेदार बताया और कहा कि वे बीच के ओवरों में विकेट नहीं ले पाये। वहीं न्यूजीलैंड ने डेरिल मिचेल की शतकीय पारी 131 रनों की सहायता से ये मुकाबला आसानी से जीत लिया। कीवी टीम ने जीत के लिए मिले 285 रनों के लक्ष्य को 47.3 ओवर में ही हासिल कर लिया। शुभमन ने कहा, 'हम बीच के ओवरों में कोई विकेट नहीं ले पाये। साथ ही कहा कि अगर आप 5 फील्डर अंदर होने के बाद भी बीच के ओवरों में विकेट नहीं निकाल पाते हैं तो काफी कठिन स्थिति हो जाती है। ऐसे में अगर हमने कुछ अधिक रन भी बनाये होते तो भी हम अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पाते। किसी भी टीम को रोकने के लिए विकेट लेना जरुरी होता है। अगर ऐसा नहीं होता है तो जीत दर्ज करना संभाव नहीं होता।' उन्होंने कहा कि हमने मेहमान टीम को एक चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया था। पहले 10 ओवरों में हमारी गेंदबाजी कसी हुई थी पर बाद में हम उसे बरकारार नहीं रख पाये। हम विरोधी टीम पर दबाव बनाने का प्रयास कर रहे थे पर सफल नहीं हुए। इसके अलावा जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, बल्लेबाजी आसान होती गई जिसका भी लाभ् मेहमान टीम को मिला। इसका कारण है कि विकेट अच्छी तरह से जम गया था. मुझे लगता है कि हमें बीच के के ओवरों में हमें जोखिम लेते हुए आक्रामक गेंदबाजी करनी चाहिये थी।'इसके अलावा कप्तान ने टीम की कमजोर फील्डिंग को भी हार के लिए जिम्मेदार माना है। उन्होंने कहा कि हमने कई अवसर खोये अगर ऐसा नहीं होतो तो परिणाम कुछ और होता।

डीसी की पहली जीत के बाद बोलीं लॉरा वोल्वार्ड्ट-जेमी को टीम से सर्वश्रेष्ठ निकालना आता है

एजेंसी, मुंबई

जेएसडब्ल्यू और जीएमआर की सह-मालिकाना वाली दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में अपने अभियान की पहली जीत दर्ज कर ली है। बुधवार को डॉ. डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में खेले गए मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने यूपी वॉरियर्स को सात विकेट से हराकर सीजन के पहले अंक हासिल किए। 155 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने 7 विकेट शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम की जीत में शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का अहम योगदान रहा। सलामी बल्लेबाज शैफाली वर्मा और लिजेल ली ने मजबूत शुरुआत दी। शैफाली ने 32 गेंदों में 36 रन बनाए, जिसमें छह चौके शामिल रहे, जबकि लिजेल ली ने पारी को संभालते हुए 44 गेंदों में 67 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें आठ चौके और तीन छक्के शामिल थे। मध्य ओवरों में कुछ विकेट गिरने के बाद मुकाबला रोमांचक हो गया, लेकिन लॉरा वोल्वार्ड्ट (नाबाद 25 रन, 24 गेंद) और कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स (21 रन, 14 गेंद) ने संयम दिखाते हुए टीम को जीत दिलाई। इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स की गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन करते हुए यूपी वॉरियर्स को 8 विकेट पर 154 रन पर रोक दिया। मारिजान कप ने 2 विकेट 24 रन देकर लिए, जबकि शैफाली वर्मा ने 2 विकेट 16 रन देकर बीच के ओवरों में रन गति पर अंकुश लगाया।

मैच के बाद लॉरा वोल्वार्ड्ट ने आखिरी ओवरों के तनावपूर्ण क्षणों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा,- "बहुत राहत महसूस हो रही है। तनाव जरूर था क्योंकि स्थिति पिछले मैच जैसी ही थी। एक समय फिर से मैं और जेमी बल्लेबाजी कर रहे थे, तो कुछ पुरानी यादें ताजा हो गईं, लेकिन इस बार हम मैच खत्म करने में सफल रहे।" पिच की परिस्थितियों पर बात करते हुए उन्होंने कहा, "यह विकेट काफी धीमी थी और गेंद रुककर आ रही थी, साथ ही टर्न भी ज्यादा था। पिछली पिच पर टर्न नहीं था और गेंद अच्छी तरह आ रही थी, इसलिए यह बिल्कुल अलग चुनौती थी। शायद हमें पहले थोड़ा और जिम्मेदारी लेनी चाहिए थी, लेकिन अंत में हम लक्ष्य हासिल करने में सफल रहे।" लिजेल ली की तारीफ करते हुए वोल्वार्ड्ट ने कहा, "वह शानदार रही हैं। मुझे उनके लिए बहुत खुशी है। वह ऑस्ट्रेलिया की फ्रेंचाइज़ी क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। दक्षिण अफ्रीका के लिए भी हमारी ओपनिंग साझेदारी अच्छी रही है, इसलिए उनके साथ फिर से बल्लेबाजी करना शानदार अनुभव है।" कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स के नेतृत्व की सराहना करते हुए वोल्वार्ड्ट ने कहा, "जेमी बेहतरीन रही हैं। वह लोगों से जुड़ना जानती हैं और टीम से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन निकालने की कला उन्हें अच्छी तरह आती है। नए कप्तान के रूप में उन पर काफी जिम्मेदारी है, लेकिन उन्होंने इसे बहुत अच्छे से संभाला है और टीम के लिए प्रेरणास्रोत बनी हैं।" दिल्ली कैपिटल्स अब अपने अगले मुकाबले में शनिवार, 17 जनवरी को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से भिड़ेगी और इस जीत की लय को आगे बढ़ाने की कोशिश करेगी।

सिराज रणजी ट्रॉफी के बचे हुए मुकाबलों में हैदराबाद की कप्तानी करेंगे

एजेंसी, मुम्बई

तिलक वर्मा की जगह पर मोहम्मद सिराज को रणजी ट्रॉफी के बचे मुकाबलों के लिए हैदराबाद का कप्तान बनाया गया है। हैदराबाद की टीम को इस सत्र के अपने बचे हुए दो मैचों में 22 और 29 जनवरी को अपने घरेलू मैदान पर मुंबई और छत्तीसगढ़ से खेलना है। वहीं शुरुआती सत्र में कप्तान रहे तिलक को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए शामिल किया गया है। इसी कारण उनकी जगह सिराज को कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी है। तिलक हालांकि सजरी के कारण पहले तीन टी20 मैचों से बाहर रहेंगे। सिराज को पहली बार कप्तानी दी गयी है। सिराज मुंबई के खिलाफ बतौर कप्तान अपना डेब्यू मैच खेलेंगे। इससे पहले वह राष्ट्रीय टीम में होने केारण उपलब्ध नहीं थे। चयन समिति ने कहा , हमने सिराज बात की है और वह बाकी सत्र के लिए उपलब्ध हैं। वह एक फाइटर हैं और हमेशा जीतना चाहते हैं, और हमें भरोसा है कि इसका असर दूसरों पर भी पड़ेगा। हाल में विजया हजारे ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करने वाले अमन राव पेराला को भी टीम में शामिल किया गया है।

हैदराबाद की टीमः मोहम्मद सिराज (कप्तान), जी राहुल सिंह (उप कप्तान), सीवी मिलिंद, तनय त्यागराजन, के रोहित रायुडू, के हिमातेजा, ए वरुण गौड़, एम अभिरथ रेड्डी, राहुल रादेश (विकेटकीपर), अमन राव पेराला, सीटीएल रक्षण रेडी, एन नितिन साई यादव, कनाला नितेश रेड्डी, साई प्रगनय रेड्डी (विकेटकीपर) और बी पुन्नैया।

स्टैंडबायः मिकिल जयसवाल, ए अवनीश राव (विकेटकीपर), कार्तिकेय काक, प्रणव वर्मा और पी नीतीश रेड्डी।

गुजरात जायंट्स के कोच क्लिंगर ने अपनी टीम का बचाव किया

एजेंसी, नवी मुंबई

गुजरात जायंट्स के मुख्य कोच माइकल क्लिंगर ने माना है कि मुम्बई के खिलाफ महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल मुकाबले में मिली हार के बाद भी उनकी टीम का हौंसला कम नहीं हुआ है और वह आगे के मुकाबलों के लिए तैयार है। क्लिंगर ने स्वीकार किया कि पिछले मैच में खराब फील्डिंग से भी उनकी टीम को टीम को नुकसान हुआ था। गुजरात जायंट्स को डब्ल्यूपीएल 2026 सीजन में मुम्बई के खिलाफ मुकाबले के साथ ही पहली हार का सामना करना पड़ा हैं। टीम ने मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत के तीन बार कैच छोड़ जो उसे भारी पड़े। हरमनप्रीत ने इस मैच में नाबाद अर्धशतक लगाया। क्लिंगर ने कहा कि टीम ने लगातार अच्छा खेला पर अंत में हालात बिगड़ गये। क्लिंगर ने मैच के बाद कहा, हमने पहले कुछ मैचों में बहुत अच्छी फील्डिंग की थी। पहले 14-15 ओवरों में हमने काफी अच्छी फील्डिंग की पर आखिरी पांच-छह ओवरों में काफी कैच गिरे। उन्होंने स्वीकार किया कि ऐसी गलतियां महंगी होती हैं पर कहा कि उनके खिलाड़ियों ने अपनी ओर से पूरा प्रयास किया। उन्होंने कहा, जब आप हरमनप्रीत जैसी अच्छी खिलाड़ी को तीन मौके देते हैं तो जीतना कठिन होता है पर हमारे प्रयास और ट्रेनिंग पर सवाल नहीं उठाये जा सकते। हमारी फील्डिंग कोच सारा टेलर और बाकी सभी कोचों के साथ खिलाड़ी काफी मेहनत कर रहे हैं।क्लिंगर ने कहा, प्रयास करने में कोई परेशानी नहीं है। जब आप अच्छे खिलाड़ियों को ड्रॉप करते हैं, कैच छोड़ते हैं, तो यह मुश्किल होता है, और इसलिए यह कुछ ऐसा है जिस पर हम काम करते रहेंगे।

कॉनर गैलाघर टोटेनहम हॉटस्पर में शामिल, एटलेटिको मैड्रिड से किया ट्रांसफर

एजेंसी, लंदन

इंग्लैंड के मिडफील्डर कॉनर गैलाघर ने आधिकारिक तौर पर प्रीमियर लीग क्लब टोटेनहम हॉटस्पर का दामन थाम लिया है। टोटेनहम ने ला लीगा क्लब एटलेटिको मैड्रिड से 25 वर्षीय गैलाघर के साइनिंग की घोषणा की। वह थॉमस फ्रैंक की टीम से लंबी अवधि के करार पर जुड़े हैं, हालांकि यह अंतरराष्ट्रीय मंजूरी के अधीन है। क्लब की वेबसाइट पर जारी बयान में गैलाघर ने कहा, "मैं टोटेनहम का खिलाड़ी बनना चाहता था और सौभाग्य से क्लब की भी यही भावना थी। सब कुछ बहुत जल्दी और आसानी से हो गया। अब मैं मैदान पर उतरने के लिए पूरी तरह तैयार हूं।" उन्होंने आगे कहा, "मैं जानता हूं कि यहां के प्रशंसक कितने शानदार हैं। इस क्लब का हिस्सा बनकर मुझे बेहद खुशी हो रही है और मैं सभी के साथ मिलकर खास लम्हे और यादें बनाना चाहता हूं।" कॉनर गैलाघर ने अपने करियर की शुरुआत चेल्सी की अकादमी से की थी और बाद में वह क्लब की पहली टीम के अहम सदस्य बने। उन्होंने चेल्सी की कप्तानी भी की। गैलाघर ने चेल्सी और क्रिस्टल पैलेस के लिए कुल 177 प्रीमियर लीग मैच खेले हैं। इसके अलावा वह चार्लटन एथलेटिक, स्वानसी सिटी और वेस्ट ब्रॉमविच एल्बियन के लिए लोन पर भी खेल चुके हैं। अगस्त 2024 में गैलाघर ने डिएगो सिमियोने की कोचिंग में एटलेटिको मैड्रिड जॉइन किया था, जहां उन्होंने 77 मुकाबलों में हिस्सा लिया। रियल मैड्रिड के खिलाफ चैंपियंस लीग के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में 27 सेकंड में किया गया उनका गोल ऐतिहासिक रहा। वह मैड्रिड डर्बी में गोल करने वाले पहले इंग्लिश खिलाड़ी बने और यह यूईएफए चैंपियंस लीग में किसी इंग्लिश खिलाड़ी का सबसे तेज गोल भी था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गैलाघर अब तक इंग्लैंड के लिए 22 मैच खेल चुके हैं। वह 2022 फीफा विश्व कप और 2024 यूईएफए यूरोपीय चैंपियनशिप की इंग्लैंड टीम का भी हिस्सा रह चुके हैं। टोटेनहम में गैलाघर के आगमन से मिडफील्ड को मजबूती मिलने की उम्मीद की जा रही है और क्लब के प्रशंसक उनसे बड़े योगदान की आस लगाए बैठे हैं।

व्यापार

महाराष्ट्र के नगर निगम चुनाव के कारण आज स्टॉक मार्केट में छुट्टी, नहीं होगा कामकाज

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज छुट्टी होने की वजह से कोई कामकाज नहीं होगा। शेयर बाजार की ये छुट्टी महाराष्ट्र में नगर निगम चुनाव के कारण हुई है। इस मौके पर बीएसई और एनएसई दोनों एक्सचेंज में ट्रेडिंग हॉलिडे रहने वाला है। स्टॉक एक्सचेंज की हॉलिडे लिस्ट में भी आज के दिन को छुट्टी के रूप में जोड़ दिया गया है। शेयर बाजार में पारंपरिक तौर पर साप्ताहिक अवकाश के रूप में शनिवार और रविवार को छुट्टी होती है। इसके अलावा सार्वजनिक अवकाशों और कुछ अन्य खास मौकों पर भी शेयर बाजार में छुट्टी रहती है। इन छुट्टियों की घोषणा स्टॉक एक्सचेंज की ओर से पहले से ही कर दी जाती है। इस साल भी स्टॉक एक्सचेंज में सर्कुलर जारी करके छुट्टियों का पहले ही ऐलान कर दिया था। इस सर्कुलर के अनुसार 15 जनवरी को स्टॉक एक्सचेंज में सामान्य दिनों की तरह कारोबार होने वाला था। इस दिन के लिए छुट्टी का ऐलान नहीं किया गया था। हालांकि 2 दिन पहले स्टॉक एक्सचेंज की ओर से एक नया सर्कुलर जारी किया गया, जिसमें महाराष्ट्र के निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट के तहत आज की छुट्टी का ऐलान कर दिया गया। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के नगर निगम चुनाव को सुचारू रूप से संचालित करने और अधिकतम मतदाताओं की भागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए आज के दिन को निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट के तहत सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। इसके तहत नगर निकाय क्षेत्रों में आने वाले सभी सरकारी और अर्द्ध सरकारी कार्यालय, निगम, बोर्ड, पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग, बैंक और सरकार द्वारा नियंत्रित कार्यालयों में छुट्टी रहने वाली है। इसी के तहत स्टॉक एक्सचेंज में भी छुट्टी का ऐलान किया गया है। आज, 15 जनवरी को बीएसई में इक्विटी सेगमेंट, इक्विटी डेरिवेटिव सेगमेंट, सिक्योरिटीज लेंडिंग

एंड बौरोइंग (एसएलबी) सेगमेंट, करेंसी डेरिवेटिव्स सेगमेंट्स, एनडीएस-आरएसटी, ट्राई पार्टी रेपो, इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीप्ट्स (ईजीआर), कमोडिटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट सभी के लिए ट्रेडिंग हॉलिडे है। एनएसई में भी इक्विटीज, इक्विटी डेरिवेटिव्स, कॉरपोरेट बॉन्ड्स, न्यू डेट सेगमेंट्स, निगोशिएटेड ट्रेड रिपोर्टिंग प्लेटफॉर्म, म्यूचुअल फंड्स, सिक्योरिटी लेंडिंग एंड बॉरोइंग स्कीम्स, करेंसी डेरिवेटिव्स, कमोडिटी डेरिवेटिव्स और इंट्रेस्ट रेट डेरिवेटिव्स सभी सेगमेंट्स में छुट्टी रहेगी। आज की छुट्टी और शनिवार तथा रविवार के साप्ताहिक अवकाश के अलावा साल 2026 में शेयर बाजार में कुल 16 दिन छुट्टी का ऐलान किया गया है। हालांकि इन 16 दिनों में चार छुट्टियां शनिवार या रविवार को पड़ रही हैं, जब बाजार में साप्ताहिक अवकाश रहता है। इस साल मार्च के महीने में सबसे अधिक तीन दिन छुट्टी रहेगी। मार्च में होली के दिन 3 मार्च को, श्रीराम नवमी के दिन 26 मार्च को और श्रीमहावीर जयंती के मौके पर 31 मार्च को शेयर बाजार में छुट्टी रहेगी। वहीं, इस साल फरवरी, जुलाई और अगस्त में साप्ताहिक अवकाश के अलावा कोई छुट्टी नहीं होगी, क्योंकि इन तीनों महीनों में राष्ट्रीय अवकाश वीकेंड पर पड़ रहे हैं। इसलिए इन तीनों महीना के दौरान स्टॉक मार्केट के कामकाज पर राष्ट्रीय अवकाश की वजह से कोई असर नहीं पड़ेगा।

विश्व बैंक ने 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 7.2 फीसदी किया

- चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि के अनुमान को बढ़ाकर 7.2 फीसदी किया

नई दिल्ली। आर्थिक मोर्चे पर भारत के लिए अच्छी खबर है। विश्व बैंक ने मजबूत घरेलू मांग और कर सुधारों के दम पर चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.2 फीसदी कर दिया है। यह उसके जून के अनुमान से 0.9 फीसदी ज़्यादा है। विश्व बैंक ने जारी अपनी प्रमुख रिपोर्ट 'वैश्विक आर्थिक संभावनाएं' में कहा है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 7.2 फीसदी रहने का अनुमान है। इस रिपोर्ट में यह भी कहा कि अगामी वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर धीमी होकर 6.5 फीसदी रह सकती है। विश्व बैंक जीडीपी का ये अनुमान इस धारणा पर आधारित है कि अमेरिका का 50 फीसदी आयात शुल्क इस दौरान लागू रहेगा। रिपोर्ट में कहा गया है, "इसके बावजूद उम्मीद है कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज वृद्धि दर बनाए रखेगा।'' इसके अलावा रिपोर्ट में कहा गया, "वित्त वर्ष 2027-28 में वृद्धि दर बढ़कर 6.6 फीसदी होने की उम्मीद है, जिसे मजबूत सेवा गतिविधियों के साथ ही निर्यात में सुधार और निवेश में तेजी से समर्थन मिलेगा।"

कृषि को आर्थिक वृद्धि का इंजन बनाने की मांग पकड़ रही है जोर

नई दिल्ली। विशेषज्ञ और उद्योग जगत के जानकार आगामी बजट से पहले कृषि क्षेत्र में डिजिटल अवसंरचना, जलवायु-अनुकूल खेती और नई प्रौद्योगिकियों में निवेश की जोरदार वकालत कर रहे हैं। उनका कहना है कि इससे देश की आधी आबादी को रोजगार देने वाले क्षेत्र में उत्पादकता और आर्थिक योगदान बढ़ाया जा सकता है। भारत में करीब 45 फीसदी कार्यबल कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र में है, लेकिन सकल मूल्यवर्धन में योगदान केवल 18 फीसदी के आसपास है। राष्ट्रीय गोकुल मिशन और डिजिटल पशुधन मिशन के माध्यम से 3,00,000 से अधिक किसानों को संगठित किया गया है। जीएसटी सुधारों ने संगठित दुग्ध क्षेत्र में पनीर, घी और मक्खन जैसी उच्च प्रोटीन उत्पादों की मांग बढ़ाई। उद्योग विशेषज्ञों ने गुणवत्तापूर्ण चारे, पशु चिकित्सकों की कमी को पूरा करने के लिए महाविद्यालयों की क्षमता बढ़ाना और लघु दुग्ध इकाइयों, विशेषकर महिला उद्यमियों के लिए पूंजीगत सब्सिडी की मांग की है।

फ्लिपकार्ट ने जेन ड्यूक को मुख्य नैतिकता एवं अनुपालन अधिकारी नियुक्त किया

नई दिल्ली/बेंगलुरु। वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने जेन ड्यूक को मुख्य नैतिकता एवं अनुपालन अधिकारी (सीईसीओ) नियुक्त किया है। ई-कॉमर्स कंपनी ने यह कदम अपने आरंभिक सार्वजनिक निगर्म (आईपीओ) की तैयारी के बीच गवर्नेंस स्ट्रक्चर को मजबूत करने के मकसद से उठाया है। कंपनी ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि जेन ड्यूक वॉलमार्ट इंटरनेशनल की मुख्य नैतिकता एवं अनुपालन अधिकारी क्रिस साइरेन को रिपोर्ट करेंगी और फ्लिपकार्ट समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कल्याण कृष्णमूर्ति के साथ मिलकर काम करेंगी। जेन ड्यूक को प्रवर्तन

और कॉर्पोरेट अनुपालन के क्षेत्र में लगभग तीन दशकों का अनुभव है। टायसन फूड्स में उन्होंने मुख्य अनुपालन अधिकारी, उपाध्यक्ष और एसोसिएट जनरल काउंसल के रूप में काम किया। उनका सबसे हालिया काम टायसन फूड्स में था, जहां उन्होंने चीफ कंप्लायंस ऑफिसर के तौर पर काम करने के बाद वाइस प्रेसिडेंट और एसोसिएट जनरल काउंसल के रूप में काम किया। इससे पहले उन्होंने अर्कांसस के पूर्वी जिले के लिए अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय में 10 से अधिक वर्ष तक सेवा दी। फ्लिपकार्ट समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कल्याण कृष्णमूर्ति ने कहा कि जटिल वैश्विक संगठनों में नैतिकता, अनुपालन एवं कामकाज के क्षेत्र में उनका व्यापक अनुभव पारदर्शिता और नैतिक व्यावसायिक प्रथाओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट समूह भारत की प्रमुख डिजिटल कंपनियों में से एक है। इस समूह में फ्लिपकार्ट, मिंत्रा, फ्लिपकार्ट होलसेल, क्लियरट्रिप और सुपर. मनी कंपनियां शामिल हैं। 2007 में स्थापित, फ्लिपकार्ट ने लाखों विक्रेताओं, व्यापारियों और छोटे व्यवसायों को भारत की डिजिटल कॉमर्स क्रांति में भाग लेने में सक्षम बनाया है। 500 मिलियन से अधिक रजिस्टर्ड यूजर्स के साथ फ्लिपकार्ट का मार्केटप्लेस 80 से ज़्यादा कैटेगरी में 150 मिलियन से ज़्यादा प्रोडक्ट पेश करता है।

आरएम ड्रिप नासिक में 12,000 टन क्षमता की नई इकाई लगाएगी

नई दिल्ली। आरएम ड्रिप एंड स्प्रिंकलर सिस्टम्स के निदेशक मंडल ने महाराष्ट्र के नासिक जिले के सिन्नर में 12,000 टन प्रति वर्ष की उत्पादन क्षमता वाली नई इकाई स्थापित करने को मंजूरी दी है। यह इकाई कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी, ब्रह्मानंद पाइप्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से स्थापित होगी। नई इकाई के चलते कंपनी की कुल उत्पादन क्षमता में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि होगी। प्रबंध निदेशक ने कहा कि यह विस्तार कंपनी की वृद्धि रणनीति में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और इससे निरंतर राजस्व वृद्धि, बेहतर लाभ और मजबूत निष्पादन क्षमताओं की नींव रखी जाएगी। आरएम ड्रिप एंड स्प्रिंकलर सिस्टम्स सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों और घटकों का निर्माण करती है और डिजाइन, निर्माण और स्थापना सहित संपूर्ण समाधान प्रदान करती है। कंपनी का वितरण नेटवर्क महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश में फैला हुआ है।

वेंकी कुडुमुला की व्हाट नेक्स्ट एंटरटेनमेंट्स की फिल्म इट्लू अर्जुन से अनीश पहली झलक आई सामने

व्हाट नेक्स्ट एंटरटेनमेंट्स ने अपनी पहली प्रोडक्शन फिल्म इट्लू अर्जुना से एक शानदार शुरुआत की है, जो वेंकी कुडुमुला के लिए निर्माता के रूप में एक नए अध्याय का प्रतीक है। वे भावनात्मक रूप से गहराई से जुड़ी और सारगर्भित कहानियों को आगे बढ़ा रहे हैं। नवोदित निर्देशक महेश उप्पला द्वारा निर्देशित इस फिल्म में नवोदित कलाकार अनीश मुख्य भूमिका में हैं, उनके साथ अनास्वरा राजन भी हैं। हाल ही में रिलीज़ हुई फिल्म सोल ऑफ अर्जुना की झलक इस दुनिया की एक सौम्य लेकिन प्रभावशाली पहली झलक पेश करती है। इस टीज़र की शुरुआत नागार्जुन की जादुई आवाज़ के साथ एक शांत, काव्यात्मक अंदाज़ में होती है, जो प्रेम की पवित्रता और गहराई को दर्शाती है। उनके कथन के माध्यम से, हमें अर्जुन से मिलवाया जाता है – एक मूक, दयालु युवक जिसकी चुप्पी न तो उसके हौसले को कम करती है और न ही उसकी भावनाओं को फीका करती है। बल्कि, उसका साहस, संवेदनशीलता और आंतरिक शक्ति इस टीज़र में दिखाई गई कहानी के मुख्य स्तंभ के रूप में उभरती है। नवोदित कलाकार के तौर पर अनीश ने शानदार शुरुआत की है। वो चुस्त-दुरुस्त, आत्मविश्वासी और कैमरे के सामने पूरी तरह सहज नज़र आते हैं। उनका अभिनय हाव-भाव और शारीरिक भाषा पर आधारित है, जिसे वो बखूबी निभाते हैं। चाहे उनकी आंखों की तीव्रता हो या उनके व्यवहार में संयम, वो एक संपूर्ण नायक के रूप में उभर कर सामने आते हैं। साहसिक छलांगों और शारीरिक शक्ति से भरपूर एक्शन दृश्यों को कोमल, भावनात्मक दृश्यों के साथ खूबसूरती से पिरोया गया है, जिससे उनके किरदार का संपूर्ण परिचय मिलता है। अनस्वरा राजन फिल्म में आकर्षण और ताजगी भर देती हैं। उनकी उपस्थिति एक गर्माहट और संतुलन लाती है, जो अर्जुन की शांत शक्ति के लिए एक सौम्य प्रतिरूप का काम करती है। मुख्य जोड़ी के बीच की केमिस्ट्री स्वाभाविक लगती है, जिससे कहानी का भावनात्मक सार इस संक्षिप्त झलक में भी प्रभावी ढंग से दर्शकों तक पहुँच जाता है। नागार्जुन की वॉइसओवर एक प्रमुख आकर्षण है, जो फिल्म को गंभीरता, गरिमा और भावनात्मक गहराई प्रदान करती है। तकनीकी दृष्टि से, इट्लू अर्जुन बेहतरीन है। राजा महादेवन की छायांकन शैली में रोमांस और एक्शन का शानदार संयोजन देखने को मिलता है। दृश्य भव्य, संतुलित और सोच-समझकर रोशनी से जगमगाते हैं, जो एक सलीके से निर्मित फिल्म का संकेत देते हैं। एस थमन का संगीत माहौल को और भी गहरा बनाता है। उनका संगीत मधुर और भावपूर्ण है, जो प्रेम दृश्यों को और भी प्रभावशाली बनाता है, साथ ही नायक के आंतरिक संघर्षों को भी सूक्ष्मता से उजागर करता है। हालांकि फिल्म की झलक मुख्य रूप से भावनाओं और रोमांस पर केंद्रित है, लेकिन इसमें एक्शन और ड्रामा का भी हल्का सा पुट है, जो यह संकेत देता है कि कहानी सिर्फ एक कोमल प्रेम कहानी तक सीमित नहीं रहेगी। दमदार प्रोडक्शन और निर्माता वेंकी कुडुमुला के रचनात्मक दृष्टिकोण से सजी फिल्म इटलु अर्जुन भावनात्मक और गंभीर दोनों पहलुओं को समेटे हुए है। एक बिल्कुल नए कॉन्सेप्ट, दिलचस्प कंटेंट, भावपूर्ण संगीत और एक साहसिक डेब्यू परफॉर्मेंस के साथ, इट्लू अर्जुना एक दिल को छू लेने वाला सिनेमाई अनुभव देने के लिए तैयार दिख रही है। इसकी झलक ने दर्शकों में उत्सुकता और भावनात्मक जुड़ाव पैदा कर दिया है, जिससे यह फिल्म देखने लायक बन गई है।

सैयामी खेर नई फिल्म से तहलका मचाने के लिए तैयार, इस निर्देशक से मिलाया हाथ

बॉलीवुड अभिनेत्री सैयामी खेर की झोली में एक के बाद एक फिल्में आकर गिर रही हैं। पिछले हफ्ते खबर आई थी कि गुलशन देवैया के साथ वह एक शॉर्ट फिल्म कर रही हैं जिसका शीर्षक अभी तय नहीं हुआ है। ताजा अपडेट है कि सैयामी के हाथ एक नई फिल्म लगी है जिसे जाने-माने फैशन डिजाइनर से निर्देशक बने विक्रम फडनीस बना रहे हैं। विक्रम इससे पहले निया, स्माइल प्लीज और हृदयंतर जैसी फिल्में भी बना चुके हैं। सैयामी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म के सेट की पहली झलक और स्क्रिप्ट की स्पाइरल-बाउंड कॉपी को साझा किया है। साथ में कैप्शन दिया, और आज हर मौन प्रार्थना को अपना रास्ता मिल गया है। अभिनेत्री ने आगे लिखा, नया साल, नई शुरुआत। हमेशा की तरह, मुझे सभी शुभकामनाओं की जरूरत है। रील यूफोरिया और नाइट स्काई मूवीज के सहयोग से निर्मित इस बिना शीर्षक वाली फिल्म में सैयामी को मुख्य अवतार के लिए चुना गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म में अभिनेता विनीत कुमार सिंह भी नजर आएंगे जिन्होंने 2025 में रिलीज छावा से खूब प्रशंसा बटोरी थी। इसके अलावा ताहिर राज भसीन भी फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म पर बात करते हुए सैयामी ने बताया कि इसकी कहानी ने उन्हें बहुत प्रभावित किया है। वह बहुत खुश हैं कि नए साल 2026 की शुरुआत ऐसी परियोजना से कर रही हैं जो एक अभिनेत्री के तौर पर उन्हें बहुत प्रभावित कर रही है।

मर्दानी 3 का ट्रेलर रिलीज, लापता बच्चियों की गुत्थी सुलझाने के मिशन पर लौटीं रानी मुखर्जी

रानी मुखर्जी ने इंडियन सिनेमा में अपने तीन दशक पूरे कर लिए हैं. साल 1996 में रानी ने फिल्मों में कदम रखा था और उनका सफर आज भी जारी है. इस मौके पर आज उनकी क्राइम एक्शन फिल्म मर्दानी 3 का धांसू और रोंगटे खड़े कर देने वाला ट्रेलर रिलीज हुआ है. रानी मुखर्जी एक बार फिर अपने शिवानी शिवाजी रॉय वाले कड़क पुलिस इंस्पेक्टर के रोल में नजर आ रही हैं. मर्दानी 3 का ट्रेलर दर्शकों को बेचैन करने वाला है. रानी ने एक बार फिर अपने अभिनय से अपने फैंस को चौंका दिया है. मर्दानी 3 का ट्रेलर तकरीबन सवा तीन मिनट का है, जिसकी शुरुआत ही डराने वाली है. एक बच्ची अपने दोस्तों संग हाइड एंड सीक खेलती हैं कि इतने में उसका अपहरण हो जाता है. फिर स्क्रीन पर एक लाइन लिखी आती है कि हर हफ्ते देश की कई बच्चियों लापता हो रही हैं. फिर कहानी उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से शुरू होती है, जहां से दो छोटी बच्चियां खेलते समय किडनैप हो गईं. इसके बाद रानी मुखर्जी की खाकी वर्दी में एंट्री होती है और इस बार वह एनआईए में नई जिम्मेदारी के साथ आई हैं. रानी को बताया जाता है कि केस बहुत अर्जेंट हैं और इसमें उन्हें कोई छुट्टी नहीं मिलेगी. ट्रेलर में आगे रानी अपने मिशन की शुरुआत करती हैं और पिछले तीन महीने में कितनी बच्चियां देश से गायब हुई हैं, उसकी लिस्ट मांगती हैं. इसके बाद ट्रेलर में बच्ची को अगवा करने वाली अम्मा से रानी का सामना आता है और यह देखने को मिलता है कि देश से कैसे और क्यों बच्चियां गायब हो रही हैं. ट्रेलर में अपहरण बच्चियों संग हो रहे बर्ताव वाले सीन दिल दहला देने वाले हैं. रानी मुखर्जी के होम प्रोडक्शन यशराज बैनर तले बनी फिल्म के निर्माता आदित्य चोपड़ा और को-निर्माता अक्षय विद्यवानी हैं. फिल्म का स्क्रीनप्ले और डायलॉग आयुष गुप्ता ने लिखे हैं. फिल्म आगामी 30 जनवरी को रिलीज होने जा रही है. बता दें, सच्ची घटना पर आधारित इस फिल्म को अभिराज मीनावाला ने डायरेक्ट किया है. फिल्म का पहला पार्ट मर्दानी साल 2014 में रिलीज हुआ था, जिसे प्रदीप सरकार ने डायरेक्ट किया था. वहीं, फिल्म का दूसरा पार्ट 5 साल बाद 2019 में रिलीज हुआ था, जिसके डायरेक्टर गोपी पुथरन थे. फिल्म के दोनों ही पार्ट दर्शकों को खूब भाए थे और अब ट्रेलर देखकर लगता है कि फिल्म का तीसरा पार्ट और भी ज्यादा दमदार होने जा रहा है.

भाबी जी घर पर हैंज् का पहला पोस्टर रिलीज, जानिए थिएटर में कब दस्तक देगी चर्चित सीरियल पर बनीं फिल्म

सीरियल 'भाबी जी घर पर हैं टीवी पर कई साल से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। अब इस सीरियल के किरदार और कहानी को दर्शक बड़े पर्दे पर फिल्म के रूप में देखेंगे। जानिए, कब रिलीज हो रही है ये फिल्म? सीरियल 'भाबी जी घर पर हैं में आसिफ शेख, शुभांगी अत्रे, रोहताश गौर जैसे एक्टर्स नजर आते थे। यह सभी फिल्म का भी हिस्सा हैं। वहीं फिल्म में रवि किशन, मुकेश तिवारी जैसे उम्दा कलाकार भी नजर आएंगे। फिल्म के पोस्टर में सभी एक्टर्स नजर आ रहे हैं। फिल्म 'भाबी जी घर पर हैं की रिलीज डेट भी मेकर्स ने शेयर की है। यह फिल्म अगले महीने वैंलटाइन डे से पहले रिलीज होगी। इस फिल्म की रिलीज डेट 6 फरवरी है। पोस्टर रिलीज के साथ मेकर्स ने कैप्शन लिखा है, 'गली गली में होगा शोर, क्योंकि भाबी जी की सवारी निकल पड़ी है थिएटर की ओर। सीरियल भाबी जी घर पर हैं की कहानी में कानपुर के मोहल्ले में दो कपल्स का जोड़ा रहता है। सीरियल में जो पुरुष हैं, वह एक-दूसरे की पत्नियों को पसंद करते हैं। इस ट्रैक पर ही सीरियल चलता है। सीरियल में कॉमेडी जमकर होती है। कई

अजब-गजब किस्म के किरदार इसमें नजर आते हैं। यह सीरियल कई साल से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है।

बॉक्स ऑफिस पर भूचाल,1300 करोड़ में एंट्री मारने वाली है धुरंधर

थियेटर में द राजा साब आ चुके हैं लेकिन बॉक्स ऑफिस पर धुरंधर की सुनामी अब भी है. फिल्म का क्रेज ऑडियंस में कम नहीं हो रहा. अब धुरंधर कमाई का वो रिकॉर्ड तोड़ने जा रही है जिसके बारे में कोई सोच भी नहीं सकता. सच सुन रहे हैं आप. रणवीर सिंह और अक्षय खन्ना स्टारर ये फिल्म इतिहास रचने वाली है. धुरंधर की रिलीज के 39 दिन हो चुके हैं लेकिन फिल्म लगातार बंपर कमाई कर रही है. इस फिल्म के बाद कितनी फिल्में थियेटर में आईं और एक हफ्ते में ही हटा दी गई लेकिन ये फिल्म अब भी जमकर देखी जा रही है. यहां तक कि साउथ के सुपरस्टार प्रभाष की फिल्म द राजा साब भी इस फिल्म का कुछ नहीं बिगाड़ पाई. द राजा साब की रिलीज से पहले ऐसा बज़ था कि धुरंधर को नुकसान हो सकता है. एक-दो दिन कमाई में थोड़ी गिरावट दिखी लेकिन फिर अपने ट्रैक पर आ गई. फिलहाल नतीजे ऐसे हैं कि द राजा साब का हिंदी वर्जन इसके सामने टिक नहीं पा रहा है. बाहुबली प्रभाष द राजा साब के हिंदी वर्जन ने पिछले चार दिन में 17.5 करोड़ की कमाई की है. वहीं, धुरंधर ने भी पिछले चार दिन में 17.75 करोड़ कमा चुकी है. कमाई के ये आंकड़े बताते हैं कि फिलहाल धुरंधर को कोई हिला नहीं सकता है. अब बात करते हैं उस रिकॉर्ड की जिसे तोड़कर धुरंधर इतिहास में अपना नाम दर्ज करने वाली है. वर्ल्डवाइड 1296 करोड़ कमा चुकी धुरंधर अब 1300 करोड़ में एंट्री लेने वाली है. इस क्लब में अब तक सिर्फ एक ही हिंदी फिल्म का नाम है और वो है दंगल. आमिर खान की फिल्म दंगल सिनेमा के इतिहास में ऐसा रिकॉर्ड बना चुकी है जिसे तोड़ना बहुत मुश्किल है. दंगल का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 2059.04 करोड़ है. 1300 करोड़ क्लब में एंट्री लेने वाली धुरंधर दूसरी करने वाली दूसरी हिंदी फिल्म बन जाएगी. हालांकि इंडियन सिनेमा की बात करें तो दंगल के बाद दूसरी सबसे ज्यादा कमाने वाली फिल्म पुष्पा 2 है. धुरंधर की लगातार बढ़ती कमाई की एक बड़ी वजह यह भी है कि मेकर्स ने रिलीज के पहले दिन से ही टिकट की कीमतें मैक्सिमम रखीं. वहीं, जैसे-जैसे फिल्म के दिन बढ़ते गए, दर्शकों को हर हफ्ते अलग-अलग ऑफर्स मिलने लगे. आज मेकर्स ने नया ऑफर पेश किया है, जिसके तहत सिर्फ 149 रुपये में फिल्म देख सकते हैं.

धुरंधर ने चमकाई सौम्या टंडन की किस्मत, हाथ लगी आयुष्मान खुराना की फिल्म

भाभीजी घर पर हैं फेम अभिनेत्री सौम्या टंडन ने धुरंधर में छोटा लेकिन अहम किरदार निभाया था। इसके लिए उन्होंने सोशल मीडिया पर खूब वाहवाही बटोरी। आदित्य धर द्वारा निर्देशित इस फिल्म ने सौम्या की किस्मत को चमकाने का काम किया है, क्योंकि उनके हाथ एक और बड़ी फिल्म लग चुकी है। ताजा जानकारी की मानें तो सौम्या को आयुष्मान खुराना की चर्चित फिल्म में देखा जाएगा। इस खबर ने उनके चाहने वालों को उत्साहित कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, सूरज बड़जात्या की आगामी फिल्म ये प्रेम मोल लिया की स्टारकास्ट में सौम्या शामिल हो गई हैं। आयुष्मान और शरवरी वाघ अभिनीत यह फिल्म लंबे समय से चर्चा में है जिसके 2026 में रिलीज होने की संभावना है। विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक, फिल्म में सौम्या बेहद अहम किरदार में नजर आ सकती हैं। उनका यह किरदार कहानी को दमदार बनाने का काम करेगा। हालांकि निर्माताओं ने इससे जुड़ी जानकारी को अभी गुप्त रखा है। रणवीर सिंह अभिनीत फिल्म धुरंधर में सौम्या ने अपनी भूमिका से सभी का ध्यान खींच लिया था। इसमें वह अक्षय खन्ना की पत्नी के किरदार में नजर आई थीं। फिल्म का एक दृश्य था जिसमें अभिनेत्री ने अक्षय को थप्पड़ मारा था। इस सीन ने सोशल मीडिया पर खूब चर्चा बटोरी थी। लोग सौम्या के अभिनय की तारीफ करते नहीं थके थे। धुरंधर भारतीय बॉक्स ऑफिस पर कब्जा जमाकर बैठी है। इसने 800 करोड़ से ज्यादा कमाई कर ली है।

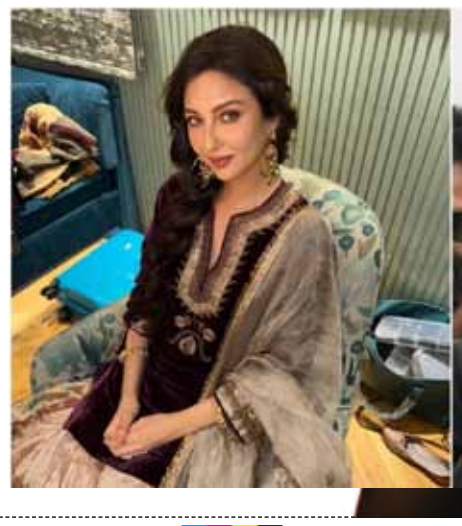

द राजा साब बॉक्स ऑफिसः मंडे टेस्ट में प्रभास की फिल्म की हालत पतली, चौथे दिन 65 फीसदी गिरी कमाई

प्रभास स्टारर हॉरर-कॉमेडी ड्रामा फिल्म द राजा साब ने अपना पहला शानदार वीकेंड पूरा किया था और अब मंडे टेस्ट से भी गुजर चुकी है. फिल्म मंडे टेस्ट में फेल हो चुकी है, लेकिन वर्ल्डवाइड फिल्म की कमाई 200 करोड़ रुपये के करीब पहुंच गई है. दर्शकों को फिल्म पसंद आ रही है, लेकिन मंडे टेस्ट में इतना बुरा हुआ कि फिल्म की कमाई 65 फीसदी तक नीचे गिर गई. इधर, हिंदी पट्टी में धुरंधर के सामने द राजा साब के लिए कमाना मुश्किल हो रहा है. चलिए जानते हैं फिल्म द राजा साब ने अपने पहले मंडे को कितनी कमाई की है. सैकनिल्क के अनुसार, द राजा साब ने शुक्रवार को पहले दिन भारत में 53.75 करोड़ रुपये कमाए थे. इससे पहले पेड प्रीव्यू में फिल्म ने तेलुगु में 9.15 करोड़ रुपये की कमा चुकी थी. दूसरे दिन शनिवार को फिल्म ने 26 करोड़ रुपये और रविवार को 19.1 करोड़ रुपये की कमाई की थी और अब चौथे दिन यानी अपने पहले सोमवार फिल्म की कमाई 65.45 फीसदी गिरी और फिल्म ने महज 6.6 करोड़ रुपये कमाए हैं. इसमें इसमें फिल्म ने तेलुगु में 4.73 करोड़ रुपये कमाए हैं. . इसी के साथ फिल्म का कुल घरेलू कलेक्शन

114.6 करोड़ रुपये हो गया है. सोमवार के दिन फिल्म का तेलुगु में कुल ऑक्यूपेंसी 24.64 फीसदी दर्ज हुआ. इसमें मॉर्निंग शो में 16.20 फीसदी, दोपहर के शो में 25.92 फीसदी, इवनिंग शो में 26.15 फीसदी और नाइट शो में 30.27 फीसदी ऑक्यूपेंसी रेट दर्ज हुआ है. तीसरे दिन हिंदी ऑक्यूपेंसी रेट की बात करें तो यह कुल 8.12 फीसदी दर्ज हुआ है. इसमें मॉर्निंग शो में 5.43 फीसदी, दोपहर के शो में 8.24 फीसदी, इवनिंग शो में 8.40 फीसदी और नाइट शो में 10.42 फीसदी ऑक्यूपेंसी रेट दर्ज हुआ है. द राजा साहब ने वर्ल्डवाइड 100 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाए थे.

कोलेस्ट्रॉल कम करने के सरल उपाय हैं पान के पत्ते

खून की नसों में चिपका यह गंदा पदार्थ हार्ट अटैक की वजह बन सकता है इसलिए इसे खत्म करना जरूरी है, पान के पत्ते कोलेस्ट्रॉल कम करने के सरल उपाय हैं, बस आपको इन्हें खाने का सही तरीका पता होना चाहिए।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ना एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है। रक्त वाहिकाओं में जमने वाला यह गंदा पदार्थ दिल के रोगों का सबसे बड़ा कारण है। ध्यान रहे कि दिल के रोगों की वजह से पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा मौत होती हैं। इसका मतलब यह है कि इस गंदे जहरीले पदार्थ से छुटकारा पाकर आप दिल के रोगों, हार्ट अटैक, स्ट्रोक और खून की नसों से जुड़े रोगों का जोखिम कम कर सकते हैं।

कोलेस्ट्रॉल क्या है और इसके क्या लक्षण हैं?

यह मोम की तरह चिपचिपा पदार्थ होता है, जो आपके द्वारा खाए जाने वाले फैट से भरपूर खाद्य पदार्थों से निकलता है। बेशक आपका लिवर भी इसे बनाता है लेकिन इसकी अधिक मात्रा सेहत के लिए घातक है। यह दो तरह का होता है गुड कोलेस्ट्रॉल और बैड कोलेस्ट्रॉल। शरीर के लिए जो घातक है, वो बैड कोलेस्ट्रॉल है। समस्या यह है कि कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के शुरूआती कोई संकेत नहीं होते हैं, जब तक पता चलता है कि तब नसें ब्लॉक हो चुकी होती हैं।

कोलेस्ट्रॉल कम करने के उपाय क्या है?

इस गंदे पदार्थो को जमने या खत्म करने का आसान तरीका नियमित रूप से एक्सरसाइज करना और फैट से भरपूर चीजों से तौबा करना है। कोलेस्ट्रॉल के मरीजों को इसे कंट्रोल में रखने के लिए ताउम्र दवाएं भी खानी पड़ती हैं। अगर आप दवाओं से बचना चाहते हैं, तो आपको कोलेस्ट्रॉल कम करने के घरेलू उपाय के रूप में पाने के पत्ते का इस्तेमाल कर सकते हैं क्योंकि इससे बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद मिलती है.

कोलेस्ट्रॉल का दुश्मन हैं पान के पत्ते

कोलेस्ट्रॉल कम करने के सबसे बेस्ट तरीका वैसे तो एक्सरसाइज करना और हेल्दी डाइट लेना है लेकिन आप इसके लिए कुछ घरेलू उपाय भी आजमा सकते हैं। बैड कोलेस्ट्रॉल कम करने का एक सबसे सरल और सस्ता उपाय पान के पत्ते हैं। एक अध्ययन में वैज्ञानिकों ने माना है कि इन हरे पत्तों में बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने की क्षमता होती है। वैज्ञानिकों ने पाया है कि पाने के पत्तों में विषाक्त पदार्थों को कम करने की क्षमता होती है। पाने के पत्ते एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट के रूप में काम कर कर सकते हैं। अपने अध्ययन में उन्होंने पान के पत्तों की एंटी-ऑक्सीडेंट एक्टिविटी का मूल्याकंन किया। उन्होंने यह पता लगाने की कोशिश की क्या यह गंदे कोलेस्ट्रॉल को कम कर सकता है या नहीं।

पान के पत्ते कम कर सकते हैं गंदा कोलेस्ट्रॉल

अपने अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि पान के पते इन विट्रो में स्र्ष्ठरुकोलेस्ट्रॉल के ऑक्सीकरण को रोकने में सक्षम थे और मैक्रोफेज में लिपिड संचय को कम करने में सक्षम थे।

पान के पत्ते कैसे कम करते हैं कोलेस्ट्रॉल

पान के पत्तों में यूजेनॉल पाया जाता है जोकि एक नैचुरल एंटीऑक्सिडेंट है, जो फ्री रेडिकल्स को बेअसर करता है। यूजेनॉल लिवर में कोलेस्ट्रॉल को बनने से रोकता है और आंत में लिपिड अवशोषण को कम करता है।

कैसे करें पान के पत्तों का सेवन

अधिकतर लोग पान खाने को एक गलत आदत मानते हैं। इसे स्वास्थ्य के लिए खराब माना जाता है। वास्तव में इसे खाने का तरीका गलत है, जो सेहत के लिए खतरनाक है क्योंकि अधिकतर लोग पान में तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थ डालकर खाते हैं। दरअसल पान के हरे पत्ते सेहत के लिए ठीक हैं। इन हरे पत्तों में विभिन्न तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसके सेवन का सबसे बेहतर तरीका सिर्फ हरे पत्तों का चबाना या इनका रस पीना है, जैसे कि शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन में इस्तेमाल किया।

पान के पत्ते के पोषक तत्व या गुण

पान के पत्तों में सिर्फ एंटीऑक्सिडेंट गुण नहीं पाए जाते बल्कि यह शरीर के लिए जरूरी कई जरूरी पोषक तत्वों का भी खजाना है। यह आयोडीन, पोटैशियम, विटामिन ए, विटामिन बी-1, निकोटिनिक एसिड, विटामिन सी, कैल्शियम, फाइबर और मिनरल्स आदि का बढ़िया स्रोत है।

पान के पत्तों के अन्य स्वास्थ्य लाभ

कोलेस्ट्रॉल कम करने के अलावा पान के पत्तों में ब्लड शुगर कम करने, कैंसर का जोखिम कम करने, घाव को जल्दी ठीक करने, तनाव दूर करने, अस्थमा का इलाज करने, ओरल हेल्थ को बढ़ावा देने, पाचन समस्याओं को खत्म करने की भी क्षमता होती है।

इस खूबसूरत दुनिया को देखने के लिए हमारा साथ देती हैं आंखें। हालांकि अक्सर लोग अपनी आंखों के प्रति काफी ज्यादा हल्के में लेते हैं। आंखों का लाल होना, आंखों से पानी आना, धुंधला दिखना और ड्राई आंखों जैसे लक्षणों को अक्सर मामूली समस्याओं के रूप में नजरअंदाज कर दिया जाता है, कई लोग इन बीमारियों के लिए घरेलू इलाज कर लेते हैं तो कुछ मेडिकल शॉप से दवाई ले आते हैं। ऐसे में इन परेशानियों को गंभीरता से नहीं लिया जाता है। हालांकि इनमें से अधिकांश लक्षण अपने आप ठीक हो जाते हैं, लेकिन कई मामलों में अगर यूहीं छोड़ दिया जाए तो वे अंधेपन से लेकर मृत्यु तक की गंभीर परेशानियां पैदा कर सकते हैं।

अंधेपन से लेकर मृत्यु तक की गंभीर परेशानियां पैदा कर सकती हैं आंखों की समस्याएं

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक रिपोर्ट की मानें तो अधिकांश ओकुलर संक्रमण मामूली होते हैं, वहीं दूसरे काफी जटिल होते हैं। अधिकांश मरीज या तो ओकुलर डिस्चार्ज, विजुअल लक्षण, लाल या दर्दनाक आंख के साथ होते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि कुछ रोग और संक्रमण पहले आंख के लक्षण के रूप में हो सकते हैं क्योंकि आंखें शरीर का एकमात्र अंग है जहां न्यूरॉन्स और रक्त वाहिकाओं को सीधे देखा जा सकता है और इसलिए किसी भी बीमारी का पहला लक्षण आंखों में नजर आता है।

राइनो ऑर्बिटल सेरेब्रल म्यूकोर्मिकोसिस

आम भाषा में इसे ब्लैक फंगस के रूप में जाना जाता है, यह म्यूकोरेल्स के कारण होने वाला एक असामान्य संक्रमण है और इसकी हाई मोर्बिडिटी और मोरटेलिटी रेट। यह मुख्य रूप से डायबिटीज, कैंसर, पोस्ट ऑर्गन ट्रांस्प्लांट के बाद क्रोनिक स्टेरॉयड थेरेपी वाले रोगियों में होता है और हाल ही में इसे गंभीर कोविड संक्रमण वाले पेशेंट में भी देखा गया था। फंगस नाक के जरिए से एंटर करने वाली ब्लड वेसेल्स पर आक्रमण करता है और साइनस और नेसल कैविटी में फैल जाता है। अगर समय पर ध्यान न दिया जाए तो ये दिमाग तक पहुंच जाता है, जो दिमाग के लिए घातक हो सकता है।

एस्परगिलोसिस

म्यूकोर्मिकोसिस के समान, ऑर्बिटल एस्परगिलोसिस इम्युनोकॉम्प्रोमाइज्ड रोगियों में होता है और नाक के बाद में दिमाग तक पहुंचता है।

कंजंक्टिवाइटिस (गुलाबी आंख)

कंजक्टिवा टिश्यू की एक पतली परत होती है जो आंखों के सफेद हिस्से और पलकों के अंदरूनी हिस्से को ढकती है। कंजक्टिवाइटिस को कंजंक्टिवा के संक्रमण या सूजन के रूप में वर्णित किया जा सकता है। इसके लक्षण खुजली और पानी बहना है।

ब्लेफेराइटिस

यह पलकों की सूजन है, और बैक्टीरिया के संक्रमण, एलर्जी, पलकों में तेल ग्रंथियों के बंद होने और स्किन की कुछ स्थितियों के कारण देखा जाता है। किसी को लाल और पलकों की सूजन, जलन और पानी बहता है। आंखों के चारों ओर परतदार स्किन जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। ब्लेफेराइटिस से अंधापन नहीं होगा, लेकिन यह कई अन्य परेशानियों को पैदा कर सकता है जैसे कि पलकें गिर सकती हैं।

यूवाइटिस

यह यूविया आईरिस युक्त नेत्रगोलक की मध्य परत की सूजन है। यह सोरायसिस, दाद संक्रमण, या रुमेटीइड गठिया जैसी स्थितियों से जुड़ा है। किसी को धुंधली दिखने, आंखों की लाली और फ्लोटर्स जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं।

केराटाइटिस

इसे कॉर्निया की सूजन या संक्रमण के रूप में जाना जाता है। लेंस का दुरुपयोग संक्रमण का कारण हो सकता है। लंबे समय तक लेंस पहनने, उनकी सफाई न करने से कॉर्निया में कीटाणुओं के आने का खतरा बढ़ सकता है। इसका तुरंत इलाज न करने से कॉर्निया पर निशान पड़ सकते हैं और नजरें खराब हो सकती हैं।

दूध में तुलसी की पत्तियां डालकर पिएं

दूध पोषण के लिहाज से अमृत के समान है और तुलसी को औषधि के रूप में प्रयोग किया जाता है जो आपकी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर कई रोगों से आपकी रक्षा करती है। इन दोनों का मिश्रण कर लिया जाएं, तो पोषण के साथ-साथ सेहत और उससे जुड़े कई फायदे पाए जा सकते हैं। अब जब भी आप दूध पिएं, उसमें तुलसी की पत्तियां डालें और पाएं यह फायदे -

- दमा के मरीजों के लिए यह उपाय फायदेमंद है। खास तौर से मौसम में बदलाव होने पर होने वाली सांस संबंधी समस्याओं से बचने के लिए दूध और तुलसी का यह मिश्रण बेहद लाभकारी होता है।
- सिर में दर्द या माइग्रेन की समस्या होने पर यह उपाय आपको रोहत देगा। जब भी माइग्रेन का दर्द हो आप इसे पी सकते हैं, रोजाना इसका सेवन करने से आपकी समस्या भी खत्म हो सकती है।
- तनाव अगर आपके जीवन का भी अभिन्न अंग बन गया है, तो दूध में तुलसी के पत्तों को उबालकर पिएं, आपका तनाव दूर होगा और धीरे-धीरे तनाव की समस्या ही समाप्त हो जाएगी।
- हृदय की समस्याओं में भी यह लाभदायक है। सुबह खाली पेट इस दूध को पीने से हृदय संबंधी रोगों में लाभ पाया जा सकता है। इसके अलावा यह किडनी में होने वाली पथरी के लिए भी अच्छा उपचार है।
- तुलसी में कैंसर कोशिकाओं से लड़ने का गुण होता है, अत: इसका सेवन आपको कैंसर से बचा सकता है। इसके अलावा सर्दी के कारण होने वाली सेहत समस्याओं में भी यह कारगर उपाय साबित होगा।

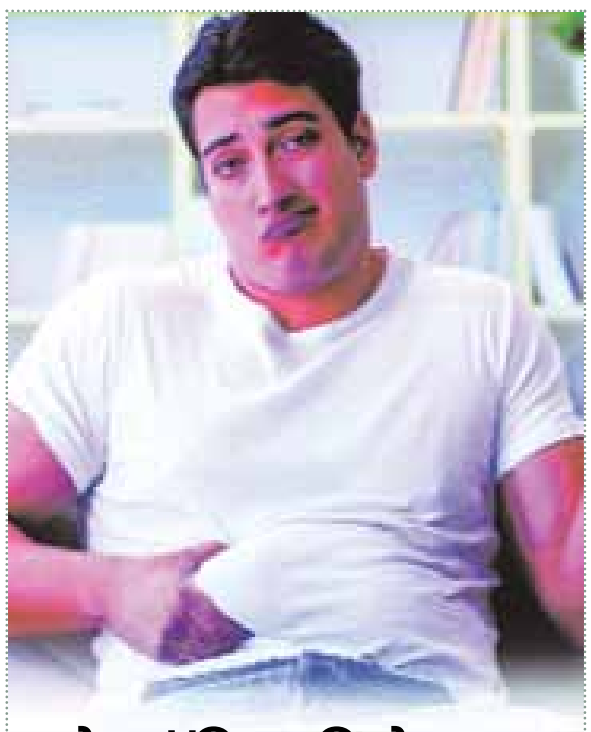

मेटाबॉलिक सिंड्रोम बढ़ा सकता है ब्लड प्रेशर और मोटापे का खतरा

स्टडी में यह भी सामने आया कि सीओपीडी के शिकार 46.3 फीसदी पुरुष पहले सिगरेट पीते थे लेकिन जब उन्हें बीमारी हुई, तब उन्हें सिगरेट छोड़े कई साल बीत चुके थे। स्टडी में सिर्फ 13.4 फीसदी स्मोकर्स में सीओपीडी मिली।

पतियों का शौक पत्नियों को बीमार कर रहा है। मेडिकल कॉलेज की एक स्टडी के मुताबिक सीओपीडी (क्रॉनिक ऑब्सट्रेक्टिव पल्मोनरी डिसीज) ग्रस्त महिलाओं में से 55 प्रतिशत को यह बीमारी उनके चेन स्मोकर पतियों की वजह से हुई। लगातार धुएं से वह पैसिव स्मोकर बन गईं और खतरनाक सीओपीडी ने उन्हें चपेट में ले लिया। इनमें से ज्यादातर में मेटाबॉलिक सिंड्रोम भी पाया गया है। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के चेस्ट विभाग की टीम ने यह स्टडी की, जिसमें सीओपीडी के 170 मरीजों को शामिल किया गया। दो साल तक लगातार इन मरीजों पर स्टडी हुई। परिणाम ने यह भ्रम तोड़ दिया है कि धूम्रपान न करने वाले सीओपीडी से बच सकते हैं। स्टडी में 46 फीसदी मरीज नॉन स्मोकर मिले। इनकी उम्र 35 से 87 साल के बीच थी। स्टडी में शामिल नॉन स्मोकर महिलाओं में 55 फीसदी के पति या घर का कोई पुरुष सदस्य चेन स्मोकर निकला। बाकी महिलाएं लंबे समय से बायोमास फ्यूल का इस्तेमाल कर रही थीं।

सिगरेट छोड़ने के बरसों बाद बीमारी

स्टडी में यह भी सामने आया कि सीओपीडी के शिकार 463 फीसदी पुरुष पहले सिगरेट पीते थे लेकिन जब उन्हें बीमारी हुई, तब उन्हें सिगरेट छोड़े कई साल बीत चुके थे। स्टडी में सिर्फ 134 फीसदी स्मोकर्स में सीओपीडी मिली।

हर मरीज में मिला मेटाबॉलिक सिंड्रोम

स्टडी में सीओपीडी के हर मरीज में मेटाबॉलिक सिंड्रोम मिला। स्टेज वन में कम तो स्टेज टू और थ्री में ज्यादा मरीज मिले। मेटाबॉलिक सिंड्रोम की स्टेज फोर में सबसे कम मरीज थे।
मेटाबॉलिक सिंड्रोम कोई बीमारी नहीं बल्कि स्थिति है। इसमें शरीर में रोग के कारक बढ़ जाते हैं। हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, मोटापा और अनियंत्रित कोलेस्ट्रॉल इन चारों के संयुक्त रूप को मेटाबॉलिक सिंड्रोम कहते हैं। मेटाबॉलिक सिंड्रोम की कंडीशन होने पर हाई बीपी की समस्या, हाई शुगर, और कमर पर एक्सट्रा फैट जम जाता है। इसके साथ ही मेटाबॉलिक सिंड्रोम होने पर कोलेस्ट्रॉल लेवल असामान्य तरीके से बढ़ जाता है। सिंड्रोम के कारण हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। जरूरी दवाओं के साथ लाइफस्टाइल में बदलाव करने से आप इस समस्या से बाहर निकल सकते हैं।
स्टडी के चीफ गाइड प्रो. सुधीर चौधरी के मुताबिक बीपी, शुगर, मोटापा और कोलेस्ट्रॉल का असंतुलित होना सिंड्रोम है, जो कई बड़े रोगों की वजह बनता है। हार्ट, किडनी और ब्रेन की बीमारियां हो सकती हैं। किसी भी संक्रमण के लिए ऐसा शरीर आसान शिकार बनता है। मानक से असंतुलन होने पर मरीज को इस सिंड्रोम से ग्रस्त माना जाता है।
स्टडी ने यह साबित किया है कि सीओपीडी नॉन स्मोकर्स को भी हो सकती है। सिगरेट और उसके प्रदूषण के साथ बायोमास फ्यूल एक्सपोजर से सीओपीडी बीमारी मरीजों में मिली। घरेलू महिलाओं ने कभी धूम्रपान नहीं किया, फिर भी उन्हें यह बीमारी मिली ।

डिप्रेशन से छुटकारा पाने में आपकी मदद करेंगी ये चीजें

डिप्रेशन या अवसाद एक मानसिक बीमारी है जिसे ज्यादातर लोग ठीक तरह से समझ नहीं पाते हैं। यदि कोई व्यक्ति अवसाद से ग्रस्त है तो उसे क्या खाना चाहिए और क्या नहीं? इस बात का ध्यान रखा जाना बेहद जरूर है। अवसाद के कारण और लक्षणों को ध्यान में रखते हुए आप अपने आहार में कुछ ऐसी चीजों को शामिल कर सकते हैं जो इससे बाहर निकलने में आपकी मदद करें।

कैमोमाइल

कई लोग कैमोमाइल चाय का सेवन करते हैं, क्योंकि इसमें सूजन-रोधी, बैक्टीरिया-रोधी, एंटीऑक्सीडेंट और आराम देने वाले गुण होते हैं। ऐसा माना जाता है कि कैमोमाइल में मौजूद फ्लेवोनॉयड्स की वजह से ही इसमें अवसाद को कम करने की शक्ति होती है। कैमोमाइल चिंता के लक्षणों को कम कर सकता है।

दही

दही में लैक्टोबेसिलस और बिफिडोबैक्टीरिया नामक स्वस्थ बैक्टीरिया होते हैं। कई अध्ययनों में सामने आया है कि ये दोनों बैक्टीरिया मस्तिष्क पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। रोजाना दही का सेवन कर चिंता, अवसाद और स्ट्रेस को कम किया जा सकता है।

ग्रीन टी

ग्रीन टी में थायमिन नामक अमीनो एसिड होता है जो कि मूड से जुड़े विकारों को ठीक करने की शक्ति रखता है। थायमिन में अवसाद-रोधी और दिमाग को आराम देने वाले गुण होते हैं एवं यह सेरोटोनिन और डोपामाइन के उत्पादन में भी वृद्धि करता है। अवसाद से निपटने के लिए आप बड़ी आसानी से अपनी जीवनशैली में ग्रीन टी को शामिल कर सकते हैं।

एवोकैडो

मूड को बेहतर करने वाले सेरोटोनिन को एवोकैडो से भी बढ़ाया जा सकता है। इसमें विटामिन-बी के अलावा थायमिन, राइबोफ्लेविन और नियासिन होता है जो कि तंत्रिका तंत्र पर सकारात्मक असर डालता है। इन विटामिनों की कमी की वजह से कुछ लोगों में चिंता यानी एंग्जयाटी के मामले सामने आए हैं।

कद्दू के बीज

कद्दू के बीज पोटाशियम का उत्तम स्रोत होते हैं जो कि शरीर में इलेक्ट्रोलाइट को संतुलित रखने और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में मदद करता है। कद्दू के बीज स्ट्रेस और चिंता के लक्षणों को कम करने की शक्ति रखते हैं। ड्रिपेशन के कारण और लक्षणों की पहचान करने के आप अपने आहार में कद्दू के बीज जरूर शामिल करें। इनमें मिनरल जिंक भी होता है जो कि मूड को अच्छा रखता है। स्वस्थ व्यक्ति भी कद्दू के बीजों का सेवन कर सकते हैं।

सूखे मेवे

काजू, ब्राजील नट और हेजल नट में भी ओमेगा-3 फैटी एसिड भरपूर मात्रा में होता है। इसमें अखरोट का नाम सबसे ऊपर आता है। अखरोट मस्तिष्क को स्वस्थ रखने का काम करता है, क्योंकि इसमें प्रचुरता से पौधों से प्राप्त ओमेगा-3 होता है। ये प्रोटीन का भी बेहतरीन स्रोत है जिससे ब्लड शुगर के लेवल को संतुलित रखने में मदद मिलती है।

अंडे

अंडे की जर्दी विटामिन-डी का बेहतरीन स्रोत होती है। इसमें प्रोटीन भी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है जिससे शरीर को सभी प्रकार के जरूरी अमीनो एसिड मिलते हैं। ये शरीर के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। अंडे में ट्रिप्टोफेन नामक अमीनो एसिड होता है जो कि सेरोटोनिन बनाने में मदद करता है। सेरोटोनिन एक केमिकल न्यूरोट्रांस्मीटर है जो कि मूड, नींद, याद्दाश्त और व्यवहार को नियंत्रित करने में सहायक होता है। ऐसा माना जाता है कि सेरोटोनिन मस्तिष्क के कार्य में सुधार लाने और चिंता से राहत दिलाने का भी काम करता है।

हल्दी

हल्दी में करक्यूमिन नामक तत्व होता है जो कि सूजन और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस (शरीर में फ्री रेडिकल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स के बीच असंतुलन) को कम कर चिंता में कमी लाता है। मूड से जुड़े विकारों जैसे कि चिंता और डिप्रेशन में इन दोनों में अक्सर इजाफा आ जाता है।